RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 94 , सोमवार, 18 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

पोहरा लछनौता पहुंचे मंत्री नंदकिशोर राम का भव्य स्वागत 03

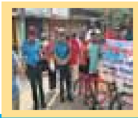

विश्व सड़क सुरक्षा सप्ताह पर बीरगंज में रिफ्लेक्टिव स्टिकर अभियान 04

वेलकम टू द जंगल टीजर रिलीज, सितारों की टोली के साथ अक्षय... 07

20 हजार टन एलपीजी लेकर गुजरात पहुंचा 'सिमी'

13 मई को पार किया था होर्मुज,अब तक 15 पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच 20 हजार टन एलपीजी लेकर सिमी कैरियर कांडला के दीनदयाल पोर्ट पर सुरक्षित रूप से पहुंच गया है। इस जहाज ने 13 मई को होर्मुज स्ट्रेट को पार किया था। इस जहाज पर 21 क्रू सदस्य सवार हैं, जिनमें आठ यूक्रेनी और 13 फिलिपीनी है। मौजूदा निगरानी वाले ऑपरेशन्स में होर्मुज स्ट्रेट को पार करने वाला सिमी 11वां एलपीजी टैंकर था। अधिकारियों के मुताबिक, डीजी शिपिंग और विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और पेट्रोलियम- प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच करीबी तालमेल से इतनी सुरक्षा मुमकिन हो पाई। ये जहाज ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है। पिछले कुछ महीनों में भारत का कच्चा तेल भंडार तेजी से घटा है। भंडार में लगभग 15 फीसदी की गिरावट आई है। कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म के आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल कच्चा तेल भंडार फरवरी के अंत में दर्ज 107 मिलियन बैरल से घटकर 91 मिलियन बैरल रह गया है।

यह वही समय था जब संघर्ष शुरू हुआ था। इस भंडार में पेट्रोलियम भंडार, रिफाइनरी होल्डिंग्स और वाणिज्यिक भंडारण शामिल हैं, लेकिन पाइपलाइन स्टॉक शामिल नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में 60000 करोड़ का निवेश करेंगे अडानी

- छपरा में किया ऐलान,बताया इनवेस्टमेंट का प्लान

छपरा (एजेंसी)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने रविवार को कहा कि हमारा लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में बिहार राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 हजार करोड़ रुपए से लेकर 60000 करोड़ रुपए तक का निवेश करना है। उन्होंने सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अडानी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन के दौरान बिहार को लेकर अडानी ग्रुप की प्रोजेक्ट्स का जिक्र करते हुए कहा कि हमने भागलपुर

जिले के पीरपैंती में 2400 मेगावाट पावर प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया है। इस प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम चल रहा है। साथ ही रोड प्रोजेक्ट पर भी काम चल रहा है। गौतम अडानी ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य बिहार की प्रगति और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अगले तीन से चार वर्षों में बिहार राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 हजार करोड़ रुपये से लेकर 60 हजार करोड़ रुपए तक का निवेश करना है। गौतम अडानी ने कहा कि बिहार की ग्रोथ का समय आ गया है। बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर की काफी आवश्यकता है। साथ रोड, इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिकीकरण की भी काफी जरूरत है। इस समय का बिहार की जनता को पूरा लाभ उठाना चाहिए।

सीएम बनते ही संकट में घिर गए थलापति विजय

- 'खरीद-फरोख्त' पर सीबीआई जांच वाली मिल रही धमकी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद सत्ता में आए विजय थलापति और उनकी पार्टी के ऊपर गंभीर आरोप लग रहे हैं। तमिलनाडु की क्षेत्रीय पार्टी अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम प्रमुख दिनाकरन ने विजय और उनकी पार्टी के ऊपर हॉर्स ट्रेडिंग (विधायकों की खरीद-फरोख्त) के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की सत्ता हासिल करने के लिए तमिलगा वेट्री कझगम ने हॉर्स ट्रेडिंग की है। उन्होंने कहा कि अगर विजय ने एएमएमके से गए विधायक को मंत्री पद दिया, तो फिर वह इस मामले की सीबीआई जांच की मांग करेंगे। तिरुचिरापल्ली में मीडिया से बात करते हुए दिनाकरन ने विजय और उनकी पार्टी की पूरी राजनीति पर ही सवाल उठा दिया। उन्होंने कहा कि टीवीके की पूरी राजनीति ही हॉर्स ट्रेडिंग पर आधारित है। उन्होंने सीएम विजय पर तंज कसते हुए कहा, विजय कहते हैं कि वह घोड़े की रफ्तार से काम करेंगे, लेकिन उन्होंने घोड़ा ही मोलभाव करके खरीदा है। दरअसल, यह पूरा मामला विजय और उनकी सरकार द्वारा पास किए गए फ्लोर टेस्ट के दौरान का है। एएमएमके ने तमिलनाडु विधानसभा में एक सीट हासिल की थी। लेकिन फ्लोर टेस्ट के पहले ही उसके एकमात्र विधायक एस. कामराज ने विजय की पार्टी को समर्थन देने का ऐलान कर दिया। इसके बाद पार्टी ने अपने एकमात्र विधायक को निष्कासित कर दिया।

देश में अब डर और धमकी की हो रही है राजनीति

- मौलाना अरशद मदनी बोले- मुसलमान झुकेगा नहीं
- वंदे मातरम के खिलाफ कोर्ट जाने का किया ऐलान

सहारनपुर (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने दावा किया है कि देश में इस्लाम को निशाना बनाया जा रहा है। डराया-धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा- केवल मुसलमान ही नहीं इस्लाम भी निशाने पर है। देश में अब नफरत की राजनीति की जगह डर और धमकी की राजनीति ने ले ली है। मुसलमानों को यह एहसास दिलाने की कोशिश की जा रही है कि उन्हें अब शर्तों के साथ जीवन बिताना होगा। वर्तमान सरकार इस्लाम को नुकसान पहुंचाना

चाहती है। दरअसल, मदनी दिल्ली में जमीयत के कार्यसमिति के दो दिवसीय अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऐलान किया कि मदरसों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्रीय और प्रांतीय मदरसा बोर्ड बनाएंगे।

वंदे मातरम को जन गण मन का दर्जा देने के खिलाफ कोर्ट जाएंगे

मौलाना अरशद मदनी ने कहा- वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के समान दर्जा देने, सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों में अनिवार्य किए जाना संविधान की मूल भावना और धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। अगर सरकार यह निर्णय वापस नहीं लेती तो जमीयत अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। साथ ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के खिलाफ भी कानूनी लड़ाई जारी रखने की बात कही।

मौलाना मदनी ने कहा- पश्चिम बंगाल और असम में खुलेआम चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हुआ। मुसलमानों को सार्वजनिक रूप से धमकियां दी गईं। चुनाव जीतने के बाद भी यह सिलसिला जारी है।

गांव हो या शहर, गर्मी से हर ओर बुरा है हाल | आसमान से बरस रही 'आग'

आठ राज्यों में पारा 40 डिग्री पार, दिन में निकलना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र-विदर्भ से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 8 राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन इलाकों में पारा लगातार 40 डिग्री से ऊपर चल रहा है। दिन के साथ रातें भी गर्म हो

- महाराष्ट्र का अमरावती-वर्धा देश में सबसे गर्म तापमान 46 डिग्री

रही हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर रहे। दोनों शहरों का तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। यूपी के बांदा, मध्य प्रदेश का नौगांव और खंडवा में भी पारा 44से ज्यादा रहा। इधर, गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास बनी जंगल सफारी में जानवरों और पक्षियों के लिए एसी, कूलर लगाए गए हैं।

राजस्थान के 8 जिलों में हीटवेव की चेतावनी

प्रदेश के बीकानेर, चूरू, बाड़मेर, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच दर्ज हुआ। सीकर, हनुमानगढ़, जालोर, सिरोही में तापमान 40 से नीचे रहा। मौसम विभाग ने राज्य में अगले हफ्ते से गर्मी तेज हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में 3 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

पिछले 24 घंटों में उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज आंधी, गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश हुई। शनिवार रात रायपुर में ओले भी गिरे। अगले 3 दिनों तक प्रदेश में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज से गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा। राज्य में 21 मई तक मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। इससे तापमान में चार से पांच डिग्री का उछाल आएगा। इस बार मई माह में सामान्य से ज्यादा बारिश-ओलावृष्टि के कारण अधिकांश शहरों का पारा सामान्य से नीचे गिरा रहा। बीते 24 घंटे के दौरान भी ज्यादातर शहरों का पारा सामान्य से नीचे दर्ज किया गया।

धू-धू कर जलने लगी त्रिवेंद्रम-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस

15 मिनट में 68 यात्रियों को बाहर निकाला, सभी सुरक्षित

कोटा (एजेंसी)। कोटा मंडल में त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के 2 कोच में आग लग गई। हादसा रविवार सुबह करीब 5.15 बजे कोटा मंडल के लूणी रीछा-विक्रमगढ़ आलोट (मध्य प्रदेश) स्टेशन के बीच हुआ। आग ट्रेन के कोच नंबर बी-1 और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। हादसे की जानकारी के बाद कोटा जंक्शन पर हूटर बजने लगे। राहत और बचाव टीम मौके के लिए रवाना हुई। सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की खबर गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी थी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया। पैसेंजर्स को बाहर निकाला। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली कराया गया। कुछ मिनटों में ही आग पूरे कोच में फैल गई थी। हालांकि, इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कुछ पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। ट्रेन 1.15 बजे कोटा पहुंची। ट्रेन के कोटा पहुंचते ही बी 1 में सवार यात्रियों ने रेलवे की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई।

- 2 कोच में लगी आग, गार्ड ने लोको पायलट को दी सूचना

बिजली का कनेक्शन काटा, ट्रैफिक भी रोका

हादसे के बाद से दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर ट्रैफिक को रोका गया है। वहीं, ट्रेन का बिजली कनेक्शन काट दिया गया है। कोच को भी ट्रेन से काटकर अलग किया गया। करीब दो घंटे बाद कोच में लगी आग बुझा ली गई। पैसेंजरों को दूसरे कोच में शिफ्ट किया गया। ट्रेन को करीब साढ़े चार घंटे बाद कोटा के लिए रवाना किया गया। कोटा में ट्रेन में एक्स्ट्रा कोच लगाया जाएगा। जिसमें हादसे वाले कोच के पैसेंजर्स को शिफ्ट किया जाएगा।

कोटा पहुंचने से पहले हादसा

त्रिवेंद्रम राजधानी रविवार सुबह करीब 3.45 बजे मध्य प्रदेश के रतलाम जंक्शन से रवाना हुई थी। इसका अगला स्टॉप सुबह 6.45 बजे कोटा जंक्शन था। राजस्थान में एंट्री से पहले विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के पास एसी कोच में आग लग गई। कुछ मिनटों बाद आगे पीछे के लगेज कोच तक पहुंच गई। यहां रखा पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। इस कोच में कोई यात्री नहीं था।

8 से ज्यादा ट्रेनों के शेड्यूल पर असर

कोटा मंडल के डीआरएम अनिल कालरा ने बताया कि इस घटना के कारण 8 से 10 गाड़ियां प्रभावित हुई हैं। सुबह 9.30 बजे फिर से ट्रैफिक शुरू कर दिया गया था। पैसेंजर्स के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं।

उत्तरप्रदेश में अवैध कब्जा हटाने पर जमकर बवाल

- वकीलों के हंगामे पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखनऊ (एजेंसी)। रविवार सुबह नौ बजे से कैसरबाग पुराने हाईकोर्ट भवन के चारों से अवैध कब्जों को हटाया जाने लगा। कार्रवाई के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन, पुलिस बल से खदेड़ा। हालांकि वकीलों का किसी तरह का विरोध न हो, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल का इंतजाम किया गया है। हाईकोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई हो रही है। जिसमे अधिकांश अवैध चैंबर वकीलों के ही है। हालांकि कोर्ट में नगर निगम ने 72 अवैध कब्जेदारों की सूची दी थी लेकिन बाद में हुए सर्वे में अवैध कब्जों की संख्या दो सौ के करीब पाई गई थी, जिसमें सुरेंद्र नाथ रोड पर 72, स्वास्थ भवन से बीएसएनएल भवन की दीवार से कलेक्ट्रेट चौराहे और चकबस्त रोड तक 47, राजस्व परिषद से स्वास्थ भवन तक 25 और नाले के ऊपर पचास से अधिक कब्जे थे।

अवैध कब्जों को हटाने का दिया था आदेश

न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की पीठ ने अधिवक्ता अनुराधा सिंह, अधिवक्ता देवांशी श्रीवास्तव और देवांशी की माता अरुणिमा श्रीवास्तव की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान कचहरी रोड से अवैध कब्जों को हटाने का आदेश दिया था, लेकिन नगर निगम ने यह कहकर कोई कार्रवाई नहीं की थी कि पर्याप्त पुलिस बल के बिना अवैध कब्जों को हटाना संभव नहीं है।

सुबह से गूंजे शंख और जयकारे, उमड़ी भीड़

धार भोजशाला में शुरू हुई पूजा-अर्चना,बदला-बदला था माहौल

धार (एजेंसी)। ऐतिहासिक भोजशाला में रविवार सुबह का माहौल पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। सुबह होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला पहुंचने लगे। कई लोग अपने हाथों में मां वाग्देवी के चित्र लेकर आए थे। परिसर में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी। सुबह से ही यहां मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और जयकारों की आवाज सुनाई देती रही। एएसआई की ओर से जारी गाइडलाइन के बाद पहली बार इस तरह सुबह से धार्मिक गतिविधियां खुलकर दिखाई दीं।

भोजशाला के गर्भगृह को विशेष रूप से सजाया गया था। यहां रंगोली बनाई गई और पूजा से पहले पूरे स्थान को गोमूत्र से शुद्ध किया गया। इसके बाद ज्योति मंदिर में प्रज्वलित अखंड ज्योत को भी गर्भगृह तक लाया गया। सुबह सूर्योदय के साथ ही धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए थे।

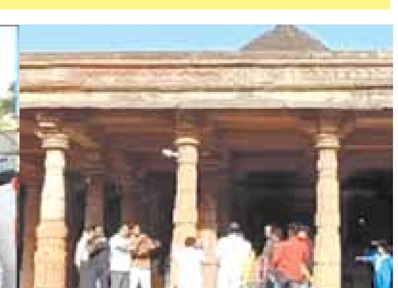

परिसर में मौजूद श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते नजर आए। कई लोग खुशी में झूमते और नाचते दिखाई दिए।

सुबह से ही भोज उत्सव समिति और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में लगे रहे। समिति के महामंत्री सुमित चौधरी ने बताया कि सुबह से देवी अनुष्ठान जारी है और पूरे परिसर का शुद्धिकरण किया गया है।

पुलिस बल भी रहा तैनात

भोजशाला में पूजा-अर्चना के दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने परिसर का निरीक्षण किया। पूरे क्षेत्र में पुलिस बल को तैनात किया गया है ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। इस दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी भोजशाला पहुंचीं। उन्होंने यहां पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। उनके साथ मांडू के संत महामंडलेश्वर निसर्ग दास जी महाराज भी मौजूद रहे। सावित्री ठाकुर ने कहा कि पहले शुक्रवार को यहां तनाव की स्थिति बनती थी लेकिन अब माहौल सामान्य है। उन्होंने कहा कि अब लोग बिना किसी डर के यहां दर्शन कर पा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवक बिजली के खंभे पर चढ़ा, प्रेमिका की शादी से नाराज, घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा

हाजीपुर। वैशाली जिले में एक युवक अपनी प्रेमिका की शादी से नाराज होकर बिजली के खंभे पर चढ़ गया। इस घटना के कारण घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को नीचे उतारा। यह मामला लालगंज थाना क्षेत्र के जैतीपुर गांव और बिजली ऑफिस परिसर का है। सूचना मिलते ही लालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने युवक को समझाने-बुझाने का प्रयास किया और आश्वासन दिया, जिसके बाद वह खंभे से नीचे उतरा। बिजली के खंभे पर चढ़ने वाले युवक की पहचान जैतीपुर गांव निवासी दिनेश राम के 28 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार के रूप में हुई है। उसकी प्रेमिका उसी गांव के कृष्ण राम की पुत्री प्रीती कुमारी बताई गई है। पुलिस ने अरविंद कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि वह पिछले एक महीने से अपनी प्रेमिका से शादी करने की जिद पर अड़ा था। उसने यह भी बताया कि इस कारण उसने खाना भी नहीं खाया था, जिससे उसकी सेहत बिगड़ गई थी।

शादी से पहले मां बनी प्रेमिका, प्रेमी निकाह को राजी नहीं, गोद में एक महीने का बच्चा लेकर पहुंची डीआईजी ऑफिस

मुजफ्फरपुर। 'जावेद 2024 में मुझे भगाकर ले गया था। शादी का झांसा देकर दिल्ली ले गया और कहा कि मैं तुमसे शादी करूंगा। कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद मैं प्रेग्नेंट हो गई। जब मैं 5 महीने की प्रेग्नेंट थी तो जावेद ने मुझसे कहा कि तुम घर चली जाओ, बाबू होगा तो शादी करेंगे। अब तो बच्चा भी हो गया। जावेद गांव आया हुआ था, तब उसने बोला कि तुम मेरे कास्ट की नहीं हो, इसलिए मैं तुमसे शादी नहीं करूंगा। जहां फैसला कराना है करा लो।' ये बातें मुजफ्फरपुर के हथौड़ी थाना की रहने वाली पीड़िता ने कही है। वो शिकायत के लेकर शनिवार को डीआईजी कार्यालय पहुंची। पीड़िता जहां रहती है। वहां से थोड़ी ही दूर पर जावेद का घर है। यही कारण है कि दोनों एक-दूसरे के करीब आए और प्रेम-प्रसंग की शुरुआत हुई। दो साल पहले जावेद ने पीड़िता को कहा कि मेरे साथ दिल्ली चलो। वहां हमलोग साथ रहेंगे। अपनी नई जिंदगी शुरू करेंगे। पीड़िता ने भी कई सपने देखें और उसके साथ वो भाग गई। परिजन को पीड़िता के प्रेम-प्रसंग के बारे में पता था, पर वो अपनी बेटी को रोक नहीं पाए। पिछले साल दिसंबर में पीड़िता घर लौटी। उस वक्त वो प्रेग्नेंट थी। पीड़िता के अनुसार, जब जावेद गांव लौटा तो पीड़िता उससे मिलने के लिए उसके घर गई। पीड़िता ने उससे शादी के लिए कहा, पर प्रेमी के तेवर पूरी तरह से बदले थे। जावेद उसके साथ ठीक से बात तक नहीं कर रहा था। प्रेमी ने कहा कि वो बच्चे को अपनाने के लिए तैयार नहीं है। पीड़िता ने प्रेमी को मनाने की कोशिश की तो जावेद ने उसे डांस-फटकार कर घर से भगा दिया। पीड़िता ने बताया कि 'जावेद ने मेरे साथ धोखा किया है। मैंने स्थानीय पुलिस की मदद भी मांगी। हथौड़ी थाने गई थी, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। थाने से मुझे निराशा मिली। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं। अंत में मैं अपने एक महीने के बच्चे के साथ डीआईजी ऑफिस पहुंची हूं।'

'बच्चे को मत मारो' कहने पर पिता की पीटकर हत्या, पोते को पीट रहे बेटे को रोका था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक बेटे ने पीट-पीटकर अपने पिता की हत्या कर दी। पिता की गलती बस इतनी थी कि वो अपने पोते को पीटने से मना कर रहे थे। घटना बोचहां थाना क्षेत्र के गरहां ओपी सनाठी गांव की है। मृतक की पहचान महेश सहनी (68) के तौर पर हुई है। वहीं, आरोपी बेटा मनोज सहनी है। मृतक की पत्नी नगीना देवी के बयान पर आरोपी बेटे मनोज सहनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मनोज फिलहाल फरार है। परिजन के अनुसार, मनोज सहनी का बेटा शनिवार को स्कूल नहीं जा रहा था। वो बहाना बनाकर घर पर ही रखना चाह रहा था। उसे पढ़ने का मन नहीं था, लेकिन मनोज चाहता था कि बेटा स्कूल जाए। कई बार समझाने के बाद भी बच्चा नहीं मान रहा था। जिसके बाद मनोज गुस्से में आ गया। वो अपने बेटे की बेहरमी से पिटाई करने लगा। आरोपी मनोज गुस्से में बच्चे को जानवर की तरह पीट रहा था। मासूम बच्चे की चीखें सुनकर पास में मौजूद दादा महेश सहनी का दिल पसीज गया। वो खुद को रोक नहीं पाए। तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने बेटे मनोज को डांटते हुए कहा कि बच्चे को इतनी बेरहमी से मत पीटो, उसे छोड़ दो। महेश सहनी पिता-बेटे के बीच आ गए। इससे आरोपी ने अपना सारा गुस्सा बुजुर्ग पिता पर ही निकाल दिया। लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। आरोपी बेटे ने पास पड़ा एक बांस उठाया और अपने पिता पर हमला कर दिया। इससे भी उसका गुस्सा ठंडा नहीं हुआ, तो उसने जमीन पर पड़ी एक भारी ईंट उठाई और अपने पिता के सिर पर दे मारा। ईंट के हमले से महेश सहनी का सिर फट गया। वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े। घर में अफरा-तफरी मच गई, परिवार वाले उन्हें आनन-फानन में उठाकर अस्पताल की ओर भागे। मृतक के छोटे बेटे धीरज कुमार ने बताया कि मेरे बड़े भाई ने ही पिता की पिटाई की थी। पिता सिर्फ अपने पोते को बचाने गए थे, लेकिन इसी बात पर उन पर हमला कर दिया गया। बांस और ईंट से मारने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट लगी थी। इलाज के लिए एसकेएमसीएच लेकर पहुंचे। इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों ने सिटी स्कैन कराने को कहा था, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण समय पर जांच नहीं हो सकी। नतीजतन, अंदरूनी चोटों के लिए समय पर जांच और इलाज न मिल पाने के कारण, उनकी हालत बिगड़ती चली गई और इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। एसकेएमसीएच ओपी पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पत्नी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

चंदवारा पुल फेज-2 निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तेज

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर को लगातार ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने और पूर्वी इलाके की कनेक्टिविटी मजबूत करने को लेकर चंदवारा पुल फेज-2 परियोजना अब तेजी से आगे बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस परियोजना के पूरा होने के बाद जेल चौक से सीधे अहियापुर के सिपाहपुर होते हुए NH-57 दरभंगा फोरलेन तक सुगम संपर्क स्थापित होगा। जानकारी के अनुसार, जेल चौक से सिपाहपुर NH-57 तक करीब 3 किलोमीटर लंबा एप्रोच पथ बनाया जाएगा। इसके लिए जिला भू-अर्जन कार्यालय ने जमीन अधिग्रहण का पूरा प्राक्कलन तैयार कर लिया है। इस परियोजना पर करीब 120 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 57 करोड़ रुपए केवल भूमि अधिग्रहण पर खर्च किए जाएंगे। प्रशासन की ओर से भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रस्ताव पुल निर्माण निगम को सौंप दिया गया है। फंड उपलब्ध होते ही अगले महीने से प्रभावित लोगों को मुआवजा वितरण शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही मिट्टी भराई और अन्य प्रारंभिक निर्माण कार्य भी समानांतर रूप से शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इधर, चंदवारा पुल फेज-1 का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। फिलहाल पुल पर आंशिक रूप से वाहनों का परिचालन शुरू कर दिया गया है, जबकि दिसंबर तक इसका पूरा निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि शहर की बढ़ती ट्रैफिक समस्या को देखते हुए चंदवारा पुल परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फेज-1 अंतिम चरण में है और जल्द ही इस पर पूर्ण रूप से परिचालन शुरू हो जाएगा। वहीं, फेज-2 के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। परियोजना के पूरा होने से शहर के पूर्वी हिस्से में आवागमन आसान होगा और जेल चौक, अहियापुर और दरभंगा फोरलेन की ओर जाने वाले वाहनों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

पटना में सीएमएस कैश वैन लूटकांड, एसआईटी गठित

एजेंसी, पटना

पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र स्थित जोलबिगहा के पास 13 मई को हुई CMS कंपनी की कैश वैन लूट मामले में पुलिस को कुछ अहम इनपुट मिले हैं। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि, इलाके में लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जितने भी टेक्निकल इनपुट मिले हैं, उस पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि, मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई गई है, जिसका नेतृत्व DSP-2 कर रहे हैं। पुलिस टावर डंप, CCTV फुटेज, टेक्निकल और ह्यूमन इनपुट के आधार पर बदमाशों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

पहले से रास्ते में बैठे थे बदमाशः गार्ड जितेंद्र सिंह के अनुसार, तीन बाइक पर सवार पांच बदमाश पहले से जोलबिगहा वाले रास्ते पर मौजूद थे। यह रास्ता बाईपास से जुड़ता है और इसी रास्ते से CMS कंपनी की कैश वैन फतुहा की ओर जा रही थी। बदमाश सड़क पर बाइक खड़ी कर बैठे थे। जैसे ही कैश वैन वहां रुकी, बदमाशों ने पहले ड्राइवर और फिर गार्ड को बंधक बना लिया।

बंदूक में सिर्फ एक कारतूस था- गार्डः गार्ड ने पुलिस को बताया कि उसकी बंदूक में सिर्फ एक कारतूस था, जिससे वह खुद को असहज महसूस कर रहा था। बदमाशों ने हथियार छीनने की भी कोशिश की और उसकी जेब में रखे 200-400 रुपये भी लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मिर्ची गांव की ओर फरार हो गए। गार्ड ने बताया कि कैश वैन में उनको मिलाकर तीन लोग थे, जबकि बदमाश पांच की संख्या में और हथियारों से लैस थे।

ड्राइवर से मारपीट कर खुलवाया गेटः

ड्राइवर को बंधक बनाकर लूटे 27 लाख कैश

कैश वैन चालक ने पुलिस को बताया कि वे स्टाइल बाजार संपतचक से कैश कलेक्ट कर पटना सिटी होते हुए फतुहा जा रहे थे। रास्ते में कुछ लोग सड़क किनारे बैठे दिखे। ड्राइवर के अनुसार, जैसे ही उसने बाइक साइड करने के लिए गाड़ी रोकी, बदमाशों ने पिस्टल तान दी। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और गाली-गलौज करते हुए कैश वैन का गेट खुलवाया गया। इसके बाद बदमाश कैश बॉक्स लेकर बाइक से फरार हो गए।

तकनीकी जांच में जुटी पुलिसः फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि CCTV फुटेज और मोबाइल टावर डंप से मिले डेटा के आधार पर जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस टावर डमप, CCTV फुटेज, टेक्निकल इनपुट और ह्यूमन इनपुट के आधार पर मामले की छानबीन में जुटी है।

शेखपुरा में गर्मी से 27 छात्राएं बेहोश शाम की प्रार्थना के दौरान बिगड़ी तबीयत

आज 20 जिलों में आज बारिश का अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में दो तरह का मौसम है। एक ओर कई जिलों में गर्मी से लोग परेशान हैं, वहीं कुछ जगह बारिश है। शनिवार देर शाम शेखपुरा में उमस से 27 छात्राएं बेहोश हो गईं। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां अब सभी खतरे से बाहर हैं। इधर, मौसम विभाग ने बिहार के 20 जिलों में आज यानी रविवार को बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आकाशीय बिजली गिर सकती है। साथ ही करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

वहीं बाकी के 18 जिलों के लिए किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। इन जिलों में मौसम समान्य रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार में धीरे-धीरे प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हो रही हैं। इसी वजह से आंधी-बारिश की स्थिति बन रही है।

शेखपुरा के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शनिवार देर शाम प्रार्थना के दौरान 27 छात्राएं अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। घटना के बाद विद्यालय परिसर और शेखपुरा सदर अस्पताल में हड़कंप की स्थिति बन गई। बेहोश हुई सभी छात्राओं को आनन-फानन में एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से शेखपुरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। सदर अस्पताल के डॉ. शैलेंद्र कुमार ने शुरुआती जांच में फूड पॉइजनिंग और उमस भरी गर्मी को घटना की संभावित वजह बताया। उन्होंने कहा कि सभी छात्राओं की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है, हालांकि दो छात्राओं को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था।

फतुहा में अज्ञात गाड़ी ने बाइक सवार को रौंदा

एजेंसी, पटना

पटना जिले के फतुहा थाना क्षेत्र स्थित डुमरी फोरलेन के पास रविवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान दानापुर पेठिया बाजार निवासी 24 वर्षीय साहिल कुमार के रूप में हुई है, जो रियल एस्टेट व्यवसाय से जुड़ा था। वहीं घायल युवक उसका मित्र प्रिंस कुमार (24 वर्ष) है। जानकारी के अनुसार, साहिल अपने दोस्त प्रिंस के साथ नालंदा जिले के नगरनौसा से बाइक द्वारा दानापुर लौट रहा था। घायल प्रिंस ने बताया कि साहिल बाइक चला रहा था और वह पीछे बैठा हुआ था। जैसे ही वे फतुहा के डुमरी फोरलेन के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात बड़े वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक का चक्का साहिल के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं प्रिंस सड़क किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर फतुहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रिंस को तत्काल फतुहा अस्पताल पहुंचाया।

डुमरी फोरलेन पर दानापुर के युवक की मौत, दोस्त गंभीर रूप से घायल

दानापुर में पुलिस अधिकारी के घर छह लाख की चोरी, इलाज के लिए पुणे गए थे परिवार वाले

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर स्थित शाहपुर थाना क्षेत्र में एक पुलिस अधिकारी के बंद घर में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। मठियापुर मठपर इलाके में चोरों ने सूने घर को निशाना बनाते हुए करीब छह लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक सप्ताह से बंद था घरः गृहस्वामी एसआई उदय कुमार यादव की पत्नी बेबी देवी ने शाहपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि, वह और उनके पति इलाज के सिलसिले में करीब एक सप्ताह पहले घर बंद कर अपने बड़े बेटे के पास पुणे गए थे। रविवार सुबह जब वे वापस लौटे तो घर का नजारा देखकर हैरान रह गए।

गोदरेज तोड़कर नकदी और जेवरात ले गए चोरः पीड़िता के अनुसार, बाहर के ग्रिल का ताला लगा हुआ था, लेकिन मुख्य दरवाजे का ताला कटा मिला। घर के अंदर चारों कमरों का सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने चार गोदरेज तोड़कर करीब 35 हजार रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात और अन्य कीमती सामान चुरा लिए।

CCTV का DVR और पूजा के बर्तन भी ले गएः चोर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर, गैस सिलेंडर और पूजा घर के बर्तन भी अपने साथ ले गए। हालांकि, घर से कुछ दूरी पर स्थित बांध के पास से इनवर्टर, बैटरी, दो खाली गैस सिलेंडर और पूजा के कुछ बर्तन बरामद किए गए हैं।

लौटने पर टूटा मिला दरवाजा

CCTV फुटेज और FSL जांच में जुटी पुलिसः घटना की सूचना मिलने पर शाहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। शाहपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार आनंद ने बताया कि, 'मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा करने का दावा किया है।'

फतुहा में कानपुर के युवक की संदिग्ध मौत पत्नी ने कपड़ों और तस्वीर से शव पहचाना

एजेंसी, पटना

पटना जिला अंतर्गत फतुहा थाना क्षेत्र से एक बेहद ही दर्दनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। कानपुर देहात के रहने वाले एक 25 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया है। जवान बेटे और पति की मौत की खबर के बाद से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के गणीपुर तहसील के नोनापुर गांव निवासी अमरेश कुमार (25 वर्ष) के रूप में हुई है।

सड़क किनारे मिला था अज्ञात शवः जानकारी के अनुसार, बीते शनिवार को पुलिस को सुपनचक और सोनारु गांव के बीच ग्रामीण रोड के किनारे एक अज्ञात युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे पोस्टमॉर्टम के लिए पटना भेज दिया। शुरुआती जांच में शव की पहचान नहीं हो सकी थी, जिससे मामला पूरी तरह उलझा हुआ था।

पत्नी ने कपड़ों और तस्वीर से की पहचानः रविवार को इस मामले में उस समय बड़ा मोड़ आया जब मृतक के परिजन भटकते हुए फतुहा थाना पहुंचे। थाने में मौजूद तस्वीरों और कपड़ों के आधार पर मृतक की पत्नी ने अपने पति के शव की शिनाख्त की। पति का शव देखते ही पत्नी और साथ आए परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। थाने का माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया।

कुरकुरे कंपनी में काम के सिलसिले में आया था युवकः परिजनों के मुताबिक, अमरेश अपने ही गांव के एक कंटेनर चालक के साथ फतुहा फोरलेन पर स्थित एक कुरकुरे कंपनी में आया था। वह पिछले कई दिनों से इसी इलाके में रह रहा था। शनिवार को वह ग्रामीण सड़क के किनारे तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अब भी एक गहरा रहस्य बना हुआ है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजारः फतुहा थाना अध्यक्ष कुमार रौशन ने बताया कि, शव को शनिवार को ही बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। रविवार को परिजनों और पत्नी द्वारा पहचान कर ली गई है। मौत की असली वजह क्या है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।'

नौबतपुर नगर पंचायत चुनाव की तैयारी तेज, ई-वोटिंग के लिए मतदाताओं का पंजीकरण शुरू

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ स्थित नौबतपुर नगर पंचायत में नगर अध्यक्ष चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। एक ओर ई-वोटिंग के लिए मतदाताओं का पंजीकरण तेजी से किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कई जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने ई-वोटिंग प्रणाली में खामियां होने का आरोप लगाया है। जिलाधिकारी से निर्देश मिलने के बाद नौबतपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार ने मतदाता पुनरीक्षण और ई-वोटिंग की प्रक्रिया को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर कुल मतदाताओं की संख्या के 30 प्रतिशत लोगों को ई-वोटिंग से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया है। विकास परियोजना पदाधिकारी के माध्यम से आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भवती महिला मतदाताओं की सूची तैयार की जा रही है। वहीं, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को दिव्यांग मतदाताओं का सर्वेक्षण कर सूची तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के नए मतदाताओं, सर्विस वोटर और इच्छुक मतदाताओं से जुड़े आंकड़े जुटा रहे हैं। श्रम प्रवर्तन प्राधिकारी को प्रवासी मजदूर मतदाताओं का डेटा तैयार करने का काम सौंपा गया है। तैयार सूची बीएलओ को उपलब्ध कराई जाएगी। नौबतपुर नगर पंचायत के पूर्व नगर सभापति कौशल कौशिक ने ई-वोटिंग प्रणाली में कई खामियां होने का आरोप लगाया है। उन्होंने चुनाव आयोग से इस व्यवस्था पर दोबारा विचार करने की मांग की है।

पूर्व सभापति ने ई-वोटिंग पर उठाए सवाल, सुधार की मांग

जू में बनेगा मोडिफाइड मछली घर

एजेंसी, पटना

पटना जू में अलग-अलग मोडिफिकेशन का काम किया जा रहा है। इसी के साथ अब मछली घर भी नए स्टाइल में दिखेगा। पटना जू के मछली घर को जल्द ही अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया जाएगा। इसके साथ ही दर्शकों की सुविधा और जानकारी के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। वहां दर्शक मछलियों की प्रजाति और कौन सी मछली कहां से आयी है इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह डिस्प्ले बोर्ड पूरी तरह से डिजिटल रहेगा। इसमें QR कोड भी दिए होंगे, जिसे दर्शक स्कैन कर सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जू प्रशासन के अनुसार वर्तमान मछली घर की संरचना काफी पुरानी है। इसे आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बदला जाना जरूरी हो गया है। इस मोडिफिकेशन के तहत मछली टैंकों का पुनर्निर्माण, एडवांस्ड लाइटिंग सिस्टम और आधुनिक जल शुद्धीकरण प्रणाली लगाई जाएगी। इसके अलावा अत्याधुनिक फिल्ट्रेशन सिस्टम, ऑटोमैटिक तापमान नियंत्रण व्यवस्था और ऊर्जा-संचालित एलईडी लाइटिंग भी स्थापित की जाएगी। दूसरी ओर पटना जू के एंट्री गेट पर 5 और कियोस्क मशीनें लगेंगी। पटना जू में पिछले दिनों ट्रायल के तौर पर गेट संख्या 1 और 2 पर दो कियोस्क मशीन लगाई गई थी। विजिटर्स के अच्छे रिस्पांस को देखते हुए अब जू प्रशासन ने कियोस्क मशीनों की संख्या को बढ़ाने का फैसला लिया है।

सिटीजन फीडबैक में पटना देश में सेकेंड टॉप सिटी, स्वच्छ सर्वेक्षण में 4.5 लाख नागरिकों ने दिया फीडबैक

एजेंसी, पटना

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत आम लोगों से उनके शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था पर फीडबैक लिया जा रहा है। पटना शहर फीडबैक में देशभर में दूसरे स्थान पर है। इसका सीधा असर सर्वेक्षण में पटना की रैंकिंग पर भी होगा। अब तक लगभग साढ़े चार लाख पटना के लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से अपना फीडबैक दर्ज कराया है। स्वच्छ भारत मिशन ने इन आंकड़ों को जारी किया है। सिटीजन फीडबैक अभियान को सफल बनाने और आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम ने वरीय पदाधिकारियों, कर्मचारियों और कंसल्टेंट्स की 2 सदस्यीय कुल 14 टीमें गठित की हैं। शहर के प्रमुख कोचिंग हब बोरिंग रोड, मुसल्लहपुर हाट, बाजार समिति और अशोक राजपथ स्थित कोचिंग संस्थानों और हॉस्टलों में बड़ी संख्या में छात्रों ने ऑन-द-स्पॉट फीडबैक दिया। इसके अलावा टीम की ओर से भीड़-भाड़ वाले इलाकों जैसे रेलवे स्टेशन, पार्क, चिड़ियाघर, मॉल, स्लम बस्तियों और प्रमुख चौक-चौराहों पर जा-जाकर लोगों को फीडबैक करने संबंधी डेमो भी दिया जा रहा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत निकायों का मूल्यांकन कुल 12,500 अंकों के आधार पर किया जाएगा। सर्टिफिकेशन (ODF, Water Plus, Garbage Free City) में 2000 अंक, ऑन-ग्राउंड असेसमेंट में 9500 अंक और सिटीजन फीडबैक में 1000 अंक शामिल है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत नागरिकों से शहर की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े 13 सवाल पूछे जा रहे हैं। इन सवालों में घर-दुकान से कचरा उठाव, सूखा-गीला कचरा सेग्रेगेशन, नियमित सफाई, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, RRR सेंटर की जानकारी, शिकायत निवारण व्यवस्था, आदि विषय शामिल हैं।

पटना नगर निगम की 14 टीम बनी

संक्षिप्त समाचार

डकैती कांड का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले की मुफ्फसिल थाना पुलिस ने डकैती कांड के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-274/23 (डकैती) में वांछित अभियुक्त बबलू सहनी उर्फ साधु सहनी, पिता नंदू सहनी, निवासी मझरिया थाना पिपराकोठी, जिला पूर्वी चम्पारण को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-404/20 में धोखाधड़ी, मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-386/20 में आर्म्स एक्ट, चकिया थाना कांड संख्या-124/19 में आर्म्स एक्ट तथा पिपराकोठी थाना कांड संख्या-150/22 में आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि जिले में अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

वाहन चेकिंग में चोरी की बाइक बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले में बाइक चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सफलता मिली है। केसरिया थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर एचएचडी मशीन से जांच की। जांच में बाइक की नंबर प्लेट और चेचिस नंबर अलग-अलग पाए गए, जिससे मोटरसाइकिल चोरी की होने की पुष्टि हुई। मामले में पुलिस ने विनय कुमार, पिता चंदू राय, निवासी जमुनापुर थाना कल्याणपुर, जिला पूर्वी चम्पारण को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान डुमरियाघाट पुल के पास एक व्यक्ति पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया। पुलिस द्वारा एचएचडी मशीन से जांच करने पर पता चला कि उक्त मोटरसाइकिल चोरी की है तथा उसका संबंध छतौनी थाना कांड संख्या-557/22 से है। पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि जिले में वाहन चोरी एवं अपराध नियंत्रण को लेकर लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

चौकीदार परेड में चार अनुपस्थित, थानाध्यक्ष ने मांगी स्पष्टीकरण

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला के आदापुर थाना परिसर में रविवार को आयोजित चौकीदार परेड का निरीक्षण थानाध्यक्ष पूजा कुमारी ने किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने चौकीदारों की उपस्थिति, वर्दी, व्यवहार एवं कार्यशैली का बारीकी से जायजा लिया। इस क्रम में चार चौकीदार बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिस पर थानाध्यक्ष ने गंभीर नाराजगी जताते हुए संबंधित चौकीदारों से स्पष्टीकरण मांगा है। परेड के दौरान थानाध्यक्ष ने सभी चौकीदारों को कर्तव्य के प्रति सजग, जिम्मेदार एवं अनुशासित रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने में चौकीदारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसलिए सभी चौकीदार पूरी निष्ठा, सतर्कता एवं तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

24 घंटे के भीतर मनुआपुल फायरिंग कांड का खुलासा, तीन अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। मनुआपुल थाना क्षेत्र के गुरवलिया गांव में 16 मई 2026 की सुबह लव कुमार मिश्र के घर पर हुई फायरिंग मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर लिया। घटना में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उनके पास से एक देशी कट्टा एवं दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार 16 मई की सुबह करीब 5:20 बजे बाइक सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने लव कुमार मिश्र के घर पर कई राउंड फायरिंग की थी। घटना की सूचना मिलते ही पश्चिम चम्पारण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) अतनु दत्ता के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। गठित टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण, स्थलीय पूछताछ तथा तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए मामले का खुलासा किया। गिरफ्तार अपराधियों में मो. रवि उर्फ रवि आलम निवासी नया टोलागंज वार्ड संख्या-1 इंदिरा चौक नगर थाना बेतिया, राजा कुमार निवासी इलाराम चौक नगर थाना बेतिया तथा धीरज कुमार शुक्ला निवासी महावीरपुर वार्ड संख्या-13 थाना योगापट्टी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मो. रवि उर्फ रवि आलम का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध नगर थाना कांड संख्या-205/25 में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है, जिसमें आरोपपत्र भी समर्पित किया जा चुका है। अन्य गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। इस कार्रवाई में पु.नि. राजेश कुमार, पु.नि. अतुल राज, पु.नि. मनोज कुमार सिंह, नगर थानाध्यक्ष धीरज कुमार, मनुआपुल थानाध्यक्ष रवि कुमार, तकनीकी शाखा के सौरभ कुमार एवं सिपाही बब्लू कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हरसिद्धि में शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, करीब 1000 लीटर पास नष्ट

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के दामोवृति गांव में अवैध शराब निर्माण एवं कारोबार के विरुद्ध पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने करीब 1000 लीटर पास (अर्धनिर्मित शराब सामग्री) को मौके पर ही विनष्ट कर दिया। कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दामोवृति क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध शराब निर्माण की तैयारी चल रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखे गए लगभग 1000 लीटर पास को बरामद कर नष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा तथा इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

सामाजिक न्याय के सशक्त प्रहरी स्व. सुरेश प्रसाद यादव की प्रतिमा का हुआ अनावरण

» पूर्व डिप्टी सीएम सह विपक्ष के नेता तेजस्वी प्र. यादव ने कहा स्व. सुरेश यादव राजद के मजबूत स्तंभ और असली लालूवादी नेता थे।

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्व डिप्टी सीएम -सह- नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने रविवार को पूर्वी चम्पारण जिले के सदर प्रखंड स्थित लक्ष्मीपुर गांव में दिवंगत पूर्व जिला राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव स्वर्गीय सुरेश प्रसाद यादव के स्मारक एवं प्रतिमा अनावरण समारोह का उद्घाटन किया। उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने स्व. सुरेश प्रसाद यादव को सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और गरीबों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाला समर्पित नेता बताते हुए कहा कि वे राष्ट्रीय जनता दल के मजबूत संगठनात्मक स्तंभ एवं चंपारण की सामाजिक राजनीति का सशक्त चेहरा थे। उन्होंने कहा कि स्व. यादव के नेतृत्व में पूरे चंपारण में राजद संगठन को नई मजबूती मिली और वे आजीवन दलितों, शोषितों, वंचितों एवं समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की आवाज बने रहे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि स्व. सुरेश प्रसाद यादव "असली लालूवादी विचारधारा" के प्रतिनिधि थे, जिन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सामाजिक न्याय एवं धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को सर्वोपरि रखा। उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे स्व. यादव के संघर्ष, समर्पण और जनसेवा की भावना को नमन करने यहां आए हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की कीमतों एवं आम जनता की आर्थिक परेशानियों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों से आम लोग परेशान हैं और बिहार की जनता आने वाले समय में इसका जवाब देगी। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने सामाजिक समरसता एवं जननायकों के संघर्ष पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर अब्दुल बारी सिद्दीकी, शक्ति सिंह यादव, भोला यादव, प्रेम शंकर यादव, ईरशारुल मंसुरी, मनोज कुमार यादव, डॉ. शमीम अहमद, राजेंद्र राम, शशि सिंह, डॉ. राजेश कुशवाहा, मेयर प्रीति कुमारी, विनोद श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष पंचायती राज प्रकोष्ठ राष्ट्रीय जनता दल, बिहार पवन कुमार यादव, समाजसेवी राहुल कुमार यादव, ज़ावेद अहमद सहित कई अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शराब सेवन के आरोप में दो गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

रामगढ़वा पुलिस की मद्य निषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। रामगढ़वा थाना पुलिस ने शराब सेवन के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि थाना कांड संख्या 238/26, धारा 37 बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई की गई। गश्त के दौरान पुलिस ने दोनों व्यक्तियों को शराब के नशे में पाया, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राजिंद्र साह (50), पिता स्वर्गीय मुन्नीलाल साह, निवासी मुरला तथा मंसूर कुमार साहनी (25), पिता कमलू सहनी, निवासी रामगढ़वा मलाही टोला के रूप में हुई है। दोनों रामगढ़वा थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार मेडिकल जांच एवं आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पोहरा लछनौता पहुंचे मंत्री नंदकिशोर राम का भव्य स्वागत

बीएनएम @ बीएनएम/बेतिया

बीएनएम/बेतिया। गौनाहा प्रखंड के ऐतिहासिक गांव पोहरा लछनौता में मंत्री बनने के बाद पहली बार पहुंचे नंदकिशोर राम का कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। नागरिक सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने मंत्री को अंगवस्त्र एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में नंदकिशोर राम पुराने संघर्ष के दिनों को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि वे इस क्षेत्र के ऋणी हैं और यहां की देवतुल्य जनता ने उन्हें अपना बहुमूल्य मत देकर विधानसभा भेजा। पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाना उनका पहला कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि दायित्व बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं और क्षेत्र की छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे। मंत्री ने कहा कि सतत प्रयास के माध्यम से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी जाएगी तथा रामनगर विधानसभा क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए वे हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगे। इस अवसर पर जदयू जिला उपाध्यक्ष सूरज सहनी ने कहा कि क्षेत्र के विधायक का डेयरी, मत्स्य एवं पशुपालन विभाग का मंत्री बनना गौरव की बात है। इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पोहरा लछनौता की धरती ऐतिहासिक रही है और आज समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी सत्ता में भागीदारी मिल रही है। कार्यक्रम में बीस सूत्री प्रखंड उपाध्यक्ष विक्रमा चौधरी, दयाशंकर महतो, अलखदेव पासवान, निर्मल शर्मा, आनन्द कुमार राम, संतोष जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रयोगशाला आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों को मिल रहा व्यावहारिक ज्ञान

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सर्वोदय +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाहिंगरा-पिपरा में छात्र-छात्राओं को आधुनिक एवं प्रयोगात्मक शिक्षा पद्धति से जोड़ने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है। विद्यालय में विद्यार्थियों को नियमित रूप से विषयानुसार प्रयोगशाला में प्रयोग कराकर उनकी जानकारी को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रयोगशाला प्रभारी शिक्षक राजकिशोर ने बताया कि प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार प्रतिदिन विषयवार छात्र-छात्राओं को प्रयोगशाला में प्रयोगात्मक विधि से सटीक एवं नवीनतम जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि बच्चे कक्षा में पढ़ाए गए विषयों को जब प्रयोगशाला में स्वयं प्रयोग कर देखते हैं तो उनमें सीखने के प्रति उत्साह और आनंद का भाव बढ़ता है। इससे उनकी समझ भी अधिक मजबूत होती है। प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र में विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति भी संतोषजनक है। हालांकि उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि विद्यालय में भौतिकी, रसायन शास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत एवं उर्दू विषय के शिक्षकों की कमी है, जिससे छात्रों को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि अन्य विषयों की पढ़ाई नियमित रूप से निर्धारित रूटीन के अनुसार जारी है। साथ ही कई शिक्षक वर्तमान में जनगणना कार्य में प्रतिनियोजित हैं, जिसके कारण शेष शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जनगणना कार्य समाप्त होने के बाद विद्यालय में पठन-पाठन व्यवस्था पूर्व की तरह सामान्य रूप से संचालित होगी। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता सहित वरीय शिक्षक धनंजय कुमार रवि, विनय कुमार, चंदन चौधरी, अब्दुल समद एवं अनूप कुमार वर्तमान में जनगणना कार्य में पर्यवेक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।

सिविल कोर्ट मोतिहारी में नव नियुक्त यूडीसी कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण न्यायमंडल अंतर्गत सिविल न्यायालय, मोतिहारी में नव नियुक्त लगभग 140 उच्च वर्गीय लिपिक (यूडीसी) कर्मियों के लिए शनिवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें न्यायिक पदाधिकारियों एवं न्यायालय के वरिष्ठ कर्मियों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्घाटन न्यायाधीश प्रभारी प्रशासन-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पूर्वी चम्पारण नितिन त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर नोडल पदाधिकारी रंजीत चौधरी सहित कई न्यायिक पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कर्मचारी उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार न्यायिक अकादमी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य नव नियुक्त कर्मियों को न्यायालय की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक व्यवस्था, नियमावली एवं न्यायिक प्रक्रियाओं की व्यवहारिक जानकारी देना था। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नितिन त्रिपाठी ने कहा कि न्यायालय कर्मी न्यायिक व्यवस्था की आधारशिला होते हैं। उनकी कार्यकुशलता, अनुशासन एवं पारदर्शिता से ही आम लोगों का न्यायपालिका पर विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने कर्मियों से समयबद्धता, निष्पक्षता, गोपनीयता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान न्यायालय की संरचना, अभिलेख एवं फाइल प्रबंधन, रजिस्टर संधारण, न्यायालयीन प्रक्रियाएं, कार्यालयी अनुशासन, ई-कोर्ट प्रणाली एवं डिजिटल कार्यप्रणाली सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया तथा उनके प्रश्नों का समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया। नोडल पदाधिकारी रंजीत चौधरी ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नव नियुक्त कर्मियों को न्यायालयीन कार्य प्रणाली से परिचित कराने और उन्हें अधिक दक्ष बनाने में सहायक होते हैं। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि इससे न्यायालय की कार्यप्रणाली को समझने में काफी मदद मिली। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पकड़ीदयाल अनुमंडल के बड़कागांव को मिली डिग्री कॉलेज की सौगात

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

पकड़ीदयाल। पकड़ीदयाल अनुमंडल क्षेत्र के बड़कागांव में राजकीय डिग्री कॉलेज की स्थापना होने से स्थानीय छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। श्री राम अयोध्या सिंह उच्च विद्यालय परिसर में शुरू हुए इस नए कॉलेज का संचालन बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विस्तार अभियान के तहत प्रारंभ किया गया है। कॉलेज के लिए महेंद्र सिंह को प्रथम आचार्य (प्रिंसिपल) नियुक्त किया गया है। उनके पदभार संभालने के साथ ही शैक्षणिक गतिविधियां शुरू हो गई हैं। कॉलेज खुलने से पकड़ीदयाल एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को अब स्नातक की पढ़ाई के लिए मोतिहारी या अन्य दूरदराज शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे खासकर ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को काफी राहत मिलेगी। नए कॉलेज में कला एवं विज्ञान संकाय के विभिन्न विषयों में नामांकन प्रक्रिया को गति दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे क्षेत्र के गरीब एवं ग्रामीण विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं का समय और आर्थिक खर्च दोनों बचेंगे तथा उन्हें स्थानीय स्तर पर ही उच्च शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। स्थानीय स्तर पर लंबे समय से डिग्री कॉलेज की मांग की जा रही थी। अब कॉलेज की स्थापना और शिक्षण कार्य शुरू होने से क्षेत्र के शिक्षा स्तर को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मानसिक रूप से बीमार बंदियों के अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

» ई-मुलाकाती विधिक सहायता हेल्प डेस्क एवं मानसिक रोगी वार्ड का उद्घाटन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शनिवार को जेल परिसर में "नालसा मानसिक रूप से बीमार एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं योजना" विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जेल में निरुद्ध मानसिक रूप से बीमार, बौद्धिक दिव्यांग एवं अन्य वंचित बंदियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा न्याय तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक विजय अरोड़ा, लॉ फाउंडेशन के संसाधन व्यक्ति, पारा विधिक स्वयंसेवक, जेल प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला बंदी उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने बंदियों के अधिकार, पुनर्वास, मानसिक स्वास्थ्य सहायता एवं निःशुल्क विधिक सेवाओं के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा संस्थाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित करना है। नितिन त्रिपाठी ने मानसिक रूप से बीमार एवं बौद्धिक दिव्यांग बंदियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे व्यक्तियों को कानूनी सहायता के साथ मानवीय सहयोग एवं पुनर्वास की भी आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को नालसा योजना, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उनकी समस्याएं सुनकर आवश्यक विधिक परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर सचिव नितिन त्रिपाठी ने जेल परिसर में "ई-मुलाकाती विधिक सहायता हेल्प डेस्क" का उद्घाटन किया। साथ ही मानसिक रूप से अस्वस्थ बंदियों के उपचार एवं देखभाल के लिए स्थापित "मानसिक रोगी वार्ड" का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुरुष एवं महिला बंदियों के बीच खेल सामग्री वितरित की गई। जेल में अपनी माताओं के साथ रह रहे बच्चों को भी खेल सामग्री दी गई, ताकि उनके मानसिक एवं शारीरिक विकास को प्रोत्साहन मिल सके। जेल अधीक्षक विजय अरोड़ा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बंदियों में जागरूकता एवं सुधार की भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मोतिहारी में विहिप विधि प्रकोष्ठ की दो दिवसीय प्रांत बैठक शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। विश्व हिन्दू परिषद विधि प्रकोष्ठ की दो दिवसीय प्रांत बैठक सह पटना उच्च न्यायालय बैठक का शुभारंभ शनिवार को राधा सिकरिया बीएड एवं फार्मेसी कॉलेज में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जगत गुरु वामाचार्य सेवक संजय नाथ, विहिप के केंद्रीय संयोजक सह वरीय अधिवक्ता अभिषेक आत्रेय, क्षेत्र संगठन मंत्री आनन्द कुमार, बिहार-झारखंड विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक श्रीवास्तव तथा शिक्षाविद डा. शंभूनाथ सिकरिया ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सेवक संजय नाथ ने कहा कि विधि प्रकोष्ठ हिन्दू समाज की सुरक्षा और मठ-मंदिरों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं केंद्रीय संयोजक अभिषेक आत्रेय ने कहा कि विधि प्रकोष्ठ लव जिहाद, धर्मांतरण और वक्फ बोर्ड से संबंधित मामलों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहा है तथा मठ-मंदिरों को सरकारी अधिग्रहण से मुक्त कराने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश और हिन्दू संस्कृति की सुरक्षा के लिए विहिप द्वारा बजरंग दल, दुर्गावाहिनी एवं गो रक्षा से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनमें कानून और संविधान की जानकारी भी दी जा रही है। बैठक में उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता श्रवण कुमार तथा राकेश ठाकुर ने भी अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन उमेदर वर्मा ने किया, जबकि संचालन प्रांत संयोजक रंजन कुमार ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विहिप कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोप सत्र में अभिषेक आत्रेय ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्वभर के हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संगठन कानून के माध्यम से लव जिहाद, धर्मांतरण और गौ हत्या जैसे मुद्दों पर कार्रवाई की मांग कर रहा है तथा समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए सरकार पर दबाव बनाएगा। डा. शंभूनाथ सिकरिया ने कहा कि विहिप एक धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन है और इसकी मजबूती के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में संगठन विस्तार को लेकर कई जिलों में नई जिम्मेदारियों की घोषणा की गई। धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज के निदेशक जमुना सिकरिया ने किया।

संक्षिप्त समाचार

रक्सौल में खुलेंगे अधिकृत विदेशी मुद्रा विनिमय काउंटर, अवैध कारोबार पर लगेगी लगाम

बीएनएम @ रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा से जुड़े हजारों यात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। वर्षों से रक्सौल में चल रहे अवैध मुद्रा विनिमय और सट्टेबाजी के कारोबार पर अब शिकंजा कसने की तैयारी शुरू हो गई है। लगातार मीडिया में मामला उठने और प्रशासनिक कार्रवाई के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रक्सौल में दो अधिकृत विदेशी मुद्रा विनिमय काउंटर खोलने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार, शहर की मुख्य सड़क स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा तथा सोना हॉल के समीप स्थित एचडीएफसी बैंक शाखा में विदेशी मुद्रा विनिमय काउंटर शुरू किए जाएंगे। 18 मई को आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक अर्जुन कुमार अरविंद इन दोनों काउंटरों का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बताया जाता है कि भारत-नेपाल सीमा पर लंबे समय से अवैध तरीके से नेपाली और भारतीय मुद्रा का विनिमय किया जा रहा था। कई स्थानों पर इसकी आड़ में सट्टेबाजी और हवाला जैसे गैरकानूनी कारोबार संचालित होने की शिकायतें भी मिल रही थीं। रक्सौल रेलवे क्रॉसिंग के आसपास चल रहे ऐसे अवैध काउंटरों को लेकर मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने दो अलग-अलग मौकों पर छापेमारी कर लाखों रुपये जब्त किए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरबीआई ने अब अधिकृत विदेशी मुद्रा विनिमय सुविधा शुरू करने का फैसला लिया है। इससे नेपाल आने-जाने वाले यात्रियों को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से मुद्रा बदलने की सुविधा मिलेगी। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह मानी जा रही है कि अधिकृत काउंटर खुलने के बाद वर्षों से फल-फूल रहे अवैध मुद्रा कारोबारियों और सट्टेबाजी संचालकों की मनमानी पर बड़ी रोक लगेगी। सीमा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को व्यवस्थित करने की दिशा में इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मिशन वात्सल्य पोर्टल पर गुमशुदा बच्चों की जनकारी अपलोड करना अनिवार्य

बीएनएम @ पटना। राज्य में गुमशुदा या लापता बच्चों का पूरा विवरण मिशन वात्सल्य पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। इन बच्चों की जानकारी शत-प्रतिशत इस विशेष पोर्टल पर अपलोड करने के साथ ही ट मेंटल हेल्थकेयर एक्ट, 2017 की धारा-100 के प्रावधानों को थाना स्तर पर लागू करने के लिए खासतौर से निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय के स्तर से जारी इस दिशा-निर्देश में सभी थानों को तमाम जानकारियां पोर्टल पर अपडेट करने के लिए कहा गया है। मुख्यालय के स्तर से इससे संबंधित एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी किया गया है। अगर कोई बच्चा मिल जाता है, तो इसकी जानकारी भी इस पर दर्ज कराते हुए डाटाबेस को अपडेट रखना है। पहले गुमशुदा या लापता बच्चों की सटीक जानकारी थानावार ही उपलब्ध हो पाती थी। इस पोर्टल के शुरू होने पर इस पर ऐसे महज 3190 बच्चों की जानकारी दर्ज थी। सतत मनीटरिंग के कारण महज एक महीने में यह संख्या बढ़कर 8 हजार 681 हो गई है। इसके सफल संचालन को लेकर थाना स्तर के सभी पुलिस कर्मियों के लिए निजी संस्थानों और विश्वविद्यालय के सहयोग से एक सशक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम भी तैयार किया गया है। इससे संबंधित ट्रेनिंग भी 1171 पदाधिकारियों को दे दी गई है। इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सीआईडी के अंतर्गत कमजोर वर्ग की है।

आवेदनों की होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग, 30 दिन में समाधान नहीं तो अधिकारियों पर कार्रवाई तय

बीएनएम @ पटना। ग्रामीम रहवासियों की समस्या समाधान करने के लिए 19 मई से शुरू होने वाले सहयोग शिविर को लेकर सरकार लगातार गंभीर रूख अपनाए हुए है। मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत की ओर से वरीय पदाधाकारियों को जारी निर्देशों में कहा गया है कि शिविर में प्राप्त होने वाली जन शिकायतों का सतत अनुश्रवण किया जाएगा। इसके लिए वास्तविक समय निगरानी प्रणाली (रियल टाइम मॉनीटरिंग सिस्टम) लागू होगी और इसका सहयोग पोर्टल से जुड़ाव होगा। यह सहयोग पोर्टल सीधे मुख्यमंत्री सचिवालय स्तर पर कार्य करेगा। सहयोग पोर्टल पर प्राप्त होने वाली जन शिकायतों का प्रभावी समाधान के उद्देश्य से उसका वर्गीकरण, निवारण, निवारण में विलंब आदि के कारणों का विश्लेषण किया जाएगा। इस विश्लेषण में जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित पदाधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है। मुख्य सचिव ने पत्र में कहा है कि सहयोग शिविर की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी से अलग हटकर कोई दूसरे पदाधिकारी कर रहे हैं, तो शिविर की समाप्ति के बाद जिला पदाधिकारी को एक संक्षिप्त प्रतिवेदन भेजेंगे जिसमें आवेदकों/ वादों के निष्पादन में संतोषजनक काम नहीं करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों की भी जानकारी दी जाएगी। इसी जानकारी के आधार पर संबंधित के खिलाफ आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ग्रामीण जनता की समस्या समाधान के लिए महत्वपूर्ण पहल– बता दें कि नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पदभार ग्रहण करने के बाद ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली जनता की समस्या और शिकायतों के समाधान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जन शिकायतों के निस्तारण की दिशा में सप्ताह के दो कार्य दिवस सोमवार एवं शुक्रवार को पहले से चल रहे कार्यक्रम के अलावा अब महीने के प्रथम और तृतीय मंगलवार को ग्राम पंचायतों में सहयोग शिविर लगाने का निर्णय लिया गया है।

जिले में एक नंबरी लॉटरी का धंधा चरम पर, पुलिस बनी मूकदर्शक

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। जिले में अवैध एक नंबरी लॉटरी का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस गोरखधंधे का जाल शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल चुका है, जबकि पुलिस प्रशासन इस पर प्रभावी कार्रवाई करता नजर नहीं आ रहा है। जानकारी के अनुसार शहर के विभिन्न चौक-चौराहों, गलियों, सड़कों और बाजारों में खुलेआम एक नंबरी लॉटरी का खेल संचालित हो रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस की गाड़ियां इन रास्तों से गुजरती हैं, लेकिन धंधेबाजों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती, जिससे कारोबारियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। बताया जाता है कि पूर्व में चंपारण रेंज के डीआईजी के निर्देश पर इस अवैध धंधे पर आंशिक रूप से रोक लगाई गई थी, लेकिन अब यह कारोबार फिर तेजी से फैलने लगा है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक इस अवैध कारोबार में गरीब, मजदूर, रिक्शा चालक, तांगा चालक, टेंपो चालक, चाय-पान दुकानदार, ठेला एवं गुमटी चलाने वाले लोग बड़ी संख्या में अपनी कमाई गंवा रहे हैं। शहर के मीना बाजार, इंदिरा चौक, हॉस्पिटल रोड, सागर पोखरा, उत्तरवारी पोखरा, मिस्कार टोली चौक, बुलाकी सिंह चौक, छावनी, किशनबाग और इलमराम चौक समेत कई इलाकों में खुलेआम यह धंधा चलने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस और प्रशासन गंभीरता से कार्रवाई करे तो इस अवैध कारोबार पर रोक लगाई जा सकती है। सूत्रों का यह भी दावा है कि इस गोरखधंधे को कुछ सफेदपोश लोगों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण यह कारोबार फल-फूल रहा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस अवैध धंधे पर अंकुश नहीं लगाया गया तो इसका समाज पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

विश्व सड़क सुरक्षा सप्ताह पर बीरगंज में रिफ्लेक्टिव स्टिकर अभियान

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। विश्व सड़क सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर बीरगंज में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से रिफ्लेक्टिव स्टिकर लगाने का जनजागरूकता अभियान चलाया गया। "दुर्घटना न्यूनीकरण में हम सभी की सहभागिता और प्रतिबद्धता" के नारों के साथ यह कार्यक्रम माइस्थान से घंटाघर चौक तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बीरगंज युवा समाज द्वारा जिला ट्राफिक प्रहरी कार्यालय पर्सा एवं बड़ा प्रहरी कार्यालय बिर्ता के संयुक्त सहयोग से किया गया। अभियान के दौरान बिना लाइट वाली साइकिलों एवं अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टिव स्टिकर लगाए गए, ताकि रात के समय वाहन आसानी से दिखाई दे सकें और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीव थापा ने की। इस मौके पर बड़ा प्रहरी कार्यालय बिर्ता के प्रमुख प्रहरी निरीक्षक बिक्रम सुवेदी तथा जिला ट्राफिक प्रहरी कार्यालय पर्सा के प्रमुख प्रहरी निरीक्षक युवराज कटवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा बीरगंज युवा समाज के सलाहकार मार्टिन मोक्तान, बीरगंज कपड़ा बैंक के अध्यक्ष लालबाबु सिंह, उपाध्यक्ष अस्मिता गौतम तथा सचिव विनोद धिमाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवराज कटवाल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सरकारी निकायों के साथ नागरिक समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि वाहन चालक, पैदल यात्री और आम नागरिक ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। वहीं बिक्रम सुवेदी ने सड़क सुरक्षा के प्रति युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से ही सड़क हादसों को नियंत्रित किया जा सकता है। संजीव थापा ने बताया कि समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है और आगे भी इस प्रकार के सामाजिक अभियान जारी रहेंगे। विश्व सड़क सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर लायंस क्लब ऑफ रक्सौल एवं भारत विकास परिषद के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल सर्राफ ने भी इस पहल की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रेरणादायी पहल

माहेर ममता निवास में महिलाओं के बीच वस्त्र एवं खाद्य सामग्री का वितरण

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा सामाजिक सेवा एवं मानवीय संवेदनाओं का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अमावस्या तिथि एवं पावन वट सावित्री व्रत के अवसर पर रक्सौल स्थित माहेर ममता निवास में आवासित विक्षिप्त एवं निराश्रित महिलाओं के बीच वस्त्र एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन की सदस्याओं ने वहां मौजूद महिलाओं के साथ आत्मीय संवाद स्थापित कर उन्हें सम्मान, स्नेह एवं अपनत्व का भाव प्रदान किया। सेवा, संवेदना और संस्कार से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम ने समाज के प्रति मानवीय दायित्वों के निर्वहन का प्रेरक संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय संस्कृति के प्रतीक स्वरूप माहेर ममता निवास परिसर में वट वृक्ष का पौधरोपण भी किया गया। उपस्थित महिलाओं ने वृक्षारोपण को पर्यावरण संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी बताते हुए इसके संरक्षण का संकल्प लिया। माहेर ममता निवास की सुप्रिया बोदरा ने समाज सेवा, नारी सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित सम्मेलन की इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। इस सेवा कार्य में वीणा गोयल, सोनू काबरा, शशि धनोठिया, संगीता रुंगटा, बबीता रुंगटा, शिखा रंजन, मधु अग्रवाल, सुनीता शाह, आशा केशान एवं अनुराधा शर्मा सहित अन्य सदस्याओं की सक्रिय सहभागिता रही।

भारत-नेपाल सीमा पर चीनी नागरिक गिरफ्तार

» संदिग्ध दस्तावेज, नेपाली सिम कार्ड और विज्ञापन पत्र बरामद

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर रक्सौल में एक चीनी नागरिक को संदिग्ध दस्तावेजों, नेपाली सिम कार्ड और आपत्तिजनक विज्ञापन पत्र के साथ गिरफ्तार किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान याओ शुजांग (YAO SHUZHANG) के रूप में हुई है, जो चीन के जियांग शानडोंग प्रांत का निवासी बताया गया है। जानकारी के अनुसार हरैया थाना पुलिस और एसएसबी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रक्सौल स्थित मैत्री पुल के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहे चीनी नागरिक को पकड़ लिया। उसके पास से संदिग्ध दस्तावेज, नेपाली सिम कार्ड, नकदी एवं कुछ आपत्तिजनक विज्ञापन पत्र बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक गुप्त सूचना मिली थी कि एक विदेशी नागरिक नेपाल से भारत में प्रवेश करने वाला है। सूचना के आधार पर एसएसबी और हरैया थाना पुलिस ने संयुक्त जांच अभियान चलाया और उसे हिरासत में ले लिया। उसके पास मिले पासपोर्ट से उसकी पहचान चीनी नागरिक के रूप में हुई। पूछताछ में चीनी नागरिक ने बताया कि वह वर्ष 2022 से अब तक छह से सात बार चीन से खिलौने लेकर नेपाल आता रहा है। उसने दावा किया कि 11 मई को वह खिलौने बेचने के उद्देश्य से नेपाल के चितवन पहुंचा था और बाद में बीरगंज होते हुए भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से पासपोर्ट, मोबाइल फोन, दो नेपाली सिम कार्ड, 30 हजार 205 नेपाली रुपये नकद, पहचान पत्र, लाइटर, पांच खिलौने, ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग बरामद किया। फिलहाल पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि भारत और नेपाल आने-जाने के पीछे उसका वास्तविक उद्देश्य क्या था तथा उसका संपर्क किन लोगों से था। घटना के बाद सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ा दी गई है।

जेजेए के प्रदेश अध्यक्ष बने अभय लाभ, महासचिव बने संजीव समीर

» पत्रकार हितों की रक्षा और सुरक्षा को लेकर संगठन ने जताई प्रतिबद्धता

बीएनएम @ रामगढ़

रामगढ़। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (BSPS) की झारखंड राज्य इकाई झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (JJA) की छठी प्रदेश कमेटी का गठन रविवार को कुजू स्थित अक्षत बैंक्वेट हॉल में किया गया। बैठक में अभय कुमार लाभ को प्रदेश अध्यक्ष और संजीव समीर को प्रदेश महासचिव चुना गया। वहीं सुभाशीष झा को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक शाहनवाज हसन, पूर्व अध्यक्ष विष्णु शंकर उपाध्याय तथा अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। रामगढ़ जिला इकाई की ओर से अतिथियों का बुके एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर शाहनवाज हसन ने कहा कि संगठन में ही ताकत है और पत्रकार संगठित रहेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे। उन्होंने संगठन की स्थापना से लेकर अब तक की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। पूर्व अध्यक्ष विष्णु शंकर उपाध्याय ने कहा कि यूनियन सदैव पत्रकार हित में कार्य करती रही है और संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों को संरक्षण एवं सुरक्षा प्रदान करना है। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार लाभ ने कहा कि जेजेए अपने स्थापना काल से ही पत्रकार हितों की रक्षा के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने पत्रकारों से आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आने की अपील की। प्रदेश महासचिव संजीव समीर ने कहा कि पत्रकारों के कल्याण के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि पत्रकारों के स्वास्थ्य बीमा को लेकर कोडरमा जिला से पहल की गई है, जिसे पूरे झारखंड में लागू करने की योजना है। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव जावेद इस्लाम, हजारीबाग अध्यक्ष कृष्णा गुप्ता, कोडरमा अध्यक्ष कुमार रमेशम, महासचिव अनिल सिंह तथा शौकत खान समेत कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामगढ़ जिला इकाई के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। मौके पर बड़ी संख्या में पत्रकार एवं संगठन के सदस्य उपस्थित थे। नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देने वालों में बीएसपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नवीन आनंद जोशी, राष्ट्रीय संगठन सचिव गिरिधर शर्मा सहित कई पत्रकार संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे।

बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की लत

एक बड़ी समस्या बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। भारत में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है। ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने का कानून पारित करने के लगभग एक साल बाद केंद्र ने इस पर अमल के नियम तय किए हैं। स्पष्टतः इनमें गेमिंग के हानिकारक असर और तकनीकी प्रगति के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। कहा जा सकता है कि इस कोशिश में सरकार काफी हद तक सफल है। ऑनलाइन गेमिंग प्रोत्साहन एवं विनियमन कानून मुख्य रूप से ऑनलाइन जुए को रोकने के लिए बनाया गया था। गेम के नाम पर तब सट्टेबाजी का धंधा इतने बड़े पैमाने पर फैलाया गया था कि परिवारों के बर्बाद होने की खबरें आम हो गई थीं। इसका चस्का लगाने के लिए खास कर क्रिकेट मैचों को जरिया बनाया गया।

इसीलिए जब सरकार ने उस पर रोक लगाई, तो समाज के विवेकशील तबकों ने राहत महसूस की। ये अच्छी बात है कि उद्योग जगत की भारी लॉबिंग के बावजूद सरकार अपने इरादे पर अडिग रही है। नए नियमों के तहत जिन गेम्स में पैसे का लेन-देन होता है, उन पर रोक लगी रहेगी। इनमें पोकर, रमी, फैंटेसी स्पोर्ट्स और दांव लगाने से संबंधित गेम शामिल हैं। बाकी ई-स्पोर्ट्स को वैध प्रतिस्पर्धा माना गया है। ऐसे गेम्स को डेवलप करने और संचालित करने पर सामान्यतः कोई रोक नहीं होगी। अगर किसी मामले में सरकार को लगता है कि उस गेम के हानिकारक प्रभाव हो रहे हैं, तो उस पर जरूर रोक लगाई जा सकेगी। इन पर निगरानी के लिए सूचना तकनीक मंत्रालय के तहत एक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण बनाया जाएगा। ये सारे नियम सही दिशा में हैं। लेकिन इन नियमों के दायरे से बाहर रह गई एक बड़ी समस्या बच्चों और किशोरों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। कुछ देशों में इसकी वैधानिक व्यवस्था की गई है, जिसमें इस रुझान को अनुशासित करने का दायित्व संचालक कंपनियों पर डाला गया है। भारत में इस दिशा में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है। लगे हाथ सरकार को इस बारे में भी चर्चा छेड़नी चाहिए थी। बहरहाल, अभी भी देर नहीं हुई है।

सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा में संग्रहालयों की नई चुनौतियां

सुनील कुमार महला

संग्रहालयों के महत्व, इनके इतिहास, इनकी संस्कृति और विरासत के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 18 मई को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (इंटरनेशनल म्यूजियम डे) मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि संग्रहालय केवल पुरानी वस्तुओं का भंडार ही नहीं होते हैं, बल्कि ये शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक संवाद के महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं। सरल शब्दों में कहें तो संग्रहालय केवल अतीत की स्मृतियों के संरक्षक नहीं, बल्कि शिक्षा, शोध, सामाजिक संवाद और मानवता को जोड़ने वाले सशक्त माध्यम भी हैं। तेजी से बदलती दुनिया में संग्रहालय हमारी पहचान, संस्कृति और ज्ञान को सुरक्षित रखने का अमूल्य कार्य कर रहे हैं। पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1977 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूज़ियम्स द्वारा की गई थी। संग्रहालय किसी भी देश की असली सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहर होते हैं, जोहमें तत्कालीन इतिहास, उस समय विशेष की कला और सभ्यता का परिचय देते हैं अथवा उससे रूबरू करवाते हैं। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद, सहयोग और शांति को बढ़ावा देने तथा नई (युवा) पीढ़ी को अपने अतीत(इतिहास) से परिचित कराना तथा ज्ञान-विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना है। गौरतलब है कि पिछले साल इस दिवस की थीम (2025 में)-तेजी से बदलते समुदायों में संग्रहालयों का भविष्य। रखी गई थी। वास्तव में इस थीम का उद्देश्य बदलती तकनीक, समाज और पर्यावरणीय परिस्थितियों में संग्रहालयों की भूमिका को रेखांकित करना था। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम -विभाजित दुनिया को जोड़ते संग्रहालय। रखी गई है।यह थीम संग्रहालयों की उस भूमिका पर केंद्रित है, जिसके माध्यम से वे समाज में संवाद, समावेश और शांति स्थापित करते हैं।बहरहाल, यदि हम यहां पर संग्रहालयों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो यूनेस्को के अनुसार 1975 में विश्व में लगभग 22,000 संग्रहालय थे, जबकि आज इनकी संख्या बढ़कर लगभग 95,000 से अधिक हो चुकी है। कुछ रिपोर्टों में यह संख्या लगभग 1,04,000 संग्रहालयों तक बताई गई है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूज़ियम्स के 138 से अधिक देशों में 57,000 से ज्यादा सदस्य हैं तथा अमेरिका विश्व में सबसे अधिक संग्रहालयों वाला देश माना जाता है।लूव्र म्यूज़ियम,वेटिकन म्यूज़ियम,ब्रिटिश म्यूज़ियम,मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट तथा नेशनल म्यूज़ियम ऑफ़ चाइना विश्व के कुछ प्रसिद्ध संग्रहालय हैं। वहीं दूसरी ओर यदि हम भारतीय संग्रहालयों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में केंद्र, राज्य, निजी और विश्वविद्यालय स्तर पर मिलाकर सैकड़ों संग्रहालय संचालित हैं।भारत सरकार के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के प्रशासनिक नियंत्रण में वर्तमान में 52 पुरातात्विक साइट संग्रहालय हैं। यहां यह गौरतलब है कि देश का सबसे पुराना और एशिया का सबसे बड़ा संग्रहालय इंडियन म्यूजियम है, जिसकी स्थापना 1814 में हुई थी। उल्लेखनीय है कि इंडियन म्यूजियम भारत का सबसे पुराना और एशिया के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक है। इसकी स्थापना, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि 1814 में डेनिश वनस्पतिशास्त्री डॉ. नाथेनियल वालिच द्वारा की गई थी। यह संग्रहालय कोलकाता(जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता)में स्थित है और इसे जादूघर के नाम से भी जाना जाता है। इस संग्रहालय की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो यहां पुरातत्व, कला, जीवाश्म, मानव विज्ञान, भूविज्ञान और प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी लाखों वस्तुएं सुरक्षित हैं। इतना ही नहीं,संग्रहालय की सबसे प्रसिद्ध वस्तुओं में लगभग 4000 वर्ष पुरानी मिस्र की ममी विशेष आकर्षण का केंद्र है।यहां बौद्ध स्तूप अवशेष, मुगलकालीन चित्रकला, प्राचीन सिक्के, हथियार और दुर्लभ मूर्तियां भी प्रदर्शित हैं।इसकी वास्तुकला औपनिवेशिक शैली की शानदार मिसाल मानी जाती है।संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार इस संग्रहालय की नियंत्रक संस्था है।दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहर संग्रहालयों के प्रमुख केंद्र हैं।कई भारतीय संग्रहालय अब डिजिटल तकनीक, वर्चुअल टूर और इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों का उपयोग कर रहे हैं।नेशनल म्यूज़ियम,इंडियन म्यूज़ियम ,सालार जंग म्यूज़ियम,अल्बर्ट हॉल म्यूज़ियम तथा छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय भारत के कुछ प्रमुख व प्रसिद्ध संग्रहालय हैं।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में संग्रहालयों के समक्ष बहुत सी चुनौतियां विद्यमान हैं।पाठक जानते हैं कि संग्रहालय किसी भी देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक विरासत के संरक्षक होते हैं, लेकिन आज बदलते समय, तकनीक और लोगों की रुचियों के कारण संग्रहालयों के सामने कई नई चुनौतियां उभर रही हैं। यदि समय रहते इनका समाधान नहीं किया गया, तो अमूल्य धरोहरों के संरक्षण पर असर पड़ सकता है।प्रमुख चुनौतियों की बात करें तो इनमें क्रमशः वित्तीय संसाधनों की कमी(रखरखाव, सुरक्षा, संरक्षण और नई तकनीकों के उपयोग में कठिनाई), आधुनिक तकनीक का अभाव (जैसा कि अनेक संग्रहालय अभी भी पारंपरिक तरीके से संचालित हो रहे हैं), दर्शकों की घटती रुचि(जैसा कि नई पीढ़ी का झुकाव मोबाइल, इंटरनेट और मनोरंजन के आधुनिक साधनों की ओर अधिक), धरोहर संरक्षण की समस्या(पुरानी पांडुलिपियां, मूर्तियां, चित्र और ऐतिहासिक वस्तुएं समय, मौसम, प्रदूषण और नमी के कारण खराब होने लगती हैं), प्रशिक्षित विशेषज्ञों जैसे कि संरक्षण विशेषज्ञ, पुरातत्वविद, क्यूरेटर और तकनीकी कर्मचारियों की कमी,चोरी और तस्करी(दुर्लभ ऐतिहासिक वस्तुओं की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी) संग्रहालयों के समक्ष बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं। इतना ही नहीं,आपदा और जलवायु परिवर्तन (भूकंप, बाढ़, आग और जलवायु परिवर्तन) ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, इसलिए यह भी एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, ऐसा नहीं है इन सबका कोई समाधान नहीं है। संग्रहालयों के संरक्षण, इन्हें बचाने के आज अनेक समाधान मौजूद हैं। मसलन, पर्याप्त वित्तीय सहायता देकर इनकी हालत को काफी हद तक सुधारा जा सकता है।सरकार और निजी संस्थाएं इसके लिए आगे आ सकते हैं। आज का समय डिजिटल और आधुनिक तकनीक का समय है, ऐसे में जरुरत इस बात की है कि संग्रहालयों को इन सबसे लैस किया जाना चाहिए। मसलन वर्चुअल टूर, क्यूआर कोड, ऑडियो गाइड, 3डी डिस्प्ले और इंटरैक्टिव स्क्रीन जैसी तकनीकों का उपयोग संग्रहालयों में बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हमें संग्रहालयों के संरक्षण के लिए अधिकाधिक युवाओं को इनसे जोड़ना होगा। मसलन, आज के समय में विद्यालयों और महाविद्यालयों के शैक्षणिक भ्रमण, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं में संग्रहालयों के प्रति रुचि बढ़ाई जा सकती है। सरल शब्दों में कहें तो संग्रहालयों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए तथा छात्रों के लिए नियमित म्यूजियम वॉक और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए।तापमान नियंत्रण, आधुनिक संरक्षण प्रयोगशालाएं और नियमित रखरखाव से ऐतिहासिक वस्तुओं को सुरक्षित रखा जा सकता है। सच तो यह है कि स्मार्ट स्टोरेज और कंजर्वेशन लैब की आवश्यकता है, ताकि कलाकृतियां लंबे समय तक सुरक्षित रह सकें।कुल मिलाकर आज संग्रहालयों का वैज्ञानिक संरक्षण आवश्यक है। संग्रहालयों के संरक्षण के लिए कर्मचारियों और शोधकर्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा नए विशेषज्ञों की नियुक्ति भी बहुत आवश्यक है। इतना ही नहीं, संग्रहालयों में हमें सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। मसलन, सीसीटीवी, डिजिटल रिकॉर्ड और आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से संग्रहालयों से चोरी और तस्करी पर रोक लगाई जा सकती है।सख्त सुरक्षा ऑडिट के तहत आधुनिक फायर अलार्म, वाटर-स्प्रिंकलर (जो कलाकृतियों को नुकसान न पहुंचाएं) और 24x7 हाई-टेक निगरानी प्रणाली लागू की जानी चाहिए। केवल वस्तुओं को शोकेस में रखने के बजाय, उनके पीछे की कहानियों को स्टोरीटेलिंग और लघु फिल्मों के माध्यम से जीवंत किया जा सकता है। मतलब यह है कि जीवंत प्रदर्शनियां संग्रहालयों के संरक्षण की दिशा में बहुत ही उपयोगी साबित हो सकतीं हैं।जनभागीदारी(स्थानीय समुदाय, इतिहास प्रेमियों तथा छात्रों) बढ़ाना एक अन्य आवश्यक तत्व है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी मॉडल) के तहत कॉर्पोरेट घरानों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत संग्रहालयों को गोद लेने या विशिष्ट दीर्घाओं को प्रायोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।संग्रहालयों के भीतर आधुनिक कैफे, बुकस्टोर और कलाकृतियों की प्रतिकृतियां बेचने वाली दुकानें खोली जा सकतीं हैं। अंत में, यही कहूंगा कि संग्रहालय केवल पुरानी वस्तुओं के भंडार नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और पहचान के जीवंत केंद्र हैं। आधुनिक चुनौतियों के बीच इन्हें तकनीक, जनभागीदारी और प्रभावी संरक्षण नीतियों के माध्यम से सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है। इतना ही नहीं,आज संग्रहालयों को अपनी रूढ़िवादी छवि से बाहर निकलकर एक सांस्कृतिक हब के रूप में खुद को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। तकनीक, रचनात्मकता और कुशल प्रबंधन के समन्वय से संग्रहालय न केवल हमारी धरोहर को सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि देश के पर्यटन और अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महंगाई, बेरोजगारी और पेपरलीक से जनता नाराज

सनत जैन

भारत इस समय सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत चुनौतियों के ऐसे दौर से गुजर रहा है। जहां बेरोजगारी, महंगाई और पेपरलीक मामलों से युवाओं की बढ़ती निराशा गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। हाल ही में सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक टिप्पणी जिसमें बेरोजगारों को काकरोच जैसे शब्द से तुलना की गई उसको लेकर देशभर में मुख्य न्यायाधीश के बयान को लेकर बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया, पत्रकारिता और सूचना के अधिकार से जुड़े युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने इस बयान को संवेदनहीन बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। राजनीतिक दल सामाजिक कार्यकर्ता एवं वकीलों ने भी इस बयान की कड़ी आलोचना की है। यह अलग बात है कि सीजेआई ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण भी दे दिया है। न्यायपालिका लोकतंत्र का सबसे विश्वसनीय स्तंभ है। उसके किसी भी वक्तव्य का समाज में व्यापक प्रभाव होता है। आज देश में करोड़ों की आबादी वाला बड़ा युवा वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहा है। सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। निजी क्षेत्र में रोजगार और नौकरी के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं की परेशानियों को बढ़ा दिया है। ऐसे माहौल में युवा अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाते हैं। उन्हें उपेक्षा या कठोर टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है। उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं होता है। स्वाभाविक रूप से इससे असंतोष बढ़ता है।

इतिहास गवाह है, जब किसी भी राष्ट्र में सामाजिक असमानता, आर्थिक संकट और संस्थागत असंवेदनशीलता बढ़ती है, ऐसी स्थिति में लोग अपने जीवन यापन के लिए संघर्ष का वह सभी रास्ता चुन लेते हैं जो आमतौर पर आसान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में ही बड़े परिवर्तन जन्म लेते हैं। अमेरिकन सिविल वार भी अमेरिका का केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था। अमेरिका में उस समय के आर्थिक और सामाजिक असंतुलन का परिणाम था। भारत की परिस्थितियों में जिस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उसकी सीधी तुलना अमेरिका के गृहयुद्ध से करना उचित नहीं है। लेकिन जिस तरह के हालात बन गए हैं उससे अवश्य हमें समझना चाहिए। लगातार बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, आधुनिक बाजारवाद, महंगी शिक्षा, महंगी स्वास्थ्य सेवा, महंगे खाद्य पदार्थों और नीट जैसी परीक्षा के पेपर लीक के कारण जिस तरह की सामाजिक निराशा देखने को मिल रही है, वह किसी भी लोकतंत्र के लिए खतरे का सबसे बड़ा संकेत है। न्यायपालिका का दायित्व केवल कानून की व्याख्या करना ही नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा करना भी है। आम नागरिक, विशेषकर गरीब और बेरोजगार युवा, न्यायपालिका को अंतिम उम्मीद के रूप में देखते हैं। इसलिए न्यायिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के शब्दों में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक जिम्मेदारी का होना अत्यंत आवश्यक है। सरकार, न्यायपालिका और समाज—तीनों को मिलकर यह समझना होगा, लोकतंत्र केवल आर्थिक विकास से मजबूत नहीं होता है।

बल्कि नागरिकों के सम्मान, समान अवसर और न्याय और नैतिकता से मजबूत होता है। युवाओं को रोजगार, शिक्षा और न्याय की उम्मीद होगी, तभी देश में सामाजिक स्थिरता और विकास की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। भारत आज सबसे बड़ी युवा आबादी वाला पढ़ा लिखे युवाओं का देश है। जिस तरह के हालात देखने को मिल रहे हैं यह सामान्य नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत को सोच समझकर बड़ी जिम्मेदारी एवं जवाबदेही के साथ इस मुश्किल स्थिति से बाहर निकलना होगा। अन्यथा इसके दुष्परिणाम किसी भी रूप में सामने आ सकते हैं।

अहंकार सत्ता और युद्ध का कारण

संजय गोस्वामी

भगवान राम को किसी बात का अहंकार नहीं था ।. श्रीराम तो सर्वज्ञ थे, किन्तु रावण को ज्ञान के साथ-साथ शक्ति और और सत्ता का अहंकार था अविनम्र आदमी ही अहंकारी होता है, विनम्र आदमी नहीं वस्तुतः जिस आदमी का अहंकार आ गया वो क्रोध लोभ मोह से घिर जाता है। जिसका सत्ता का अहंकार हो गया वह सत्ता मात्र एक समय के लिए होता है। लेकिन सत्ता को बनाये रखने के लिए युद्ध तक करता है क्योंकि उसे यह ज्ञान नहीं है कि सत्ता जो मिली है आज हमारे पास है कल किसी और के पास होगा

अहंकार पर आपकी चोट एकदम सटीक है। वेदांत का पहला और आखिरी पुरुषार्थ अहं-वृत्ति को साक्षी-भाव से देखना ही है। मृत्यु, भोग, सोशल मीडिया का भ्रम — ये सब अहंकार के ही खेल हैं। काल का स्मरण कराना और युवाओं को भोग से परे देखने को कहना, यह ऋषि-परंपरा है। पर वेदांत सब अहंकार ही है कहकर रुकता नहीं। वो कहता है — अहंकार मिथ्या है, पर उसका आधार ब्रह्म सत्य है। शास्त्र को फेंक नहीं देते, नाव की तरह पार उतरकर छोड़ते हैं। ब्रह्म को शक्तिहीन अनजान कहना स्वयं अहंकार की भाषा है, क्योंकि ब्रह्म न शक्त है न अशक्त — वह शक्ति का अधिष्ठान है। आत्मा-परमात्मा घटित नहीं होते, वे नित्य-सिद्ध हैं; सिर्फ अहंकार का पर्दा हटता है। जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च । तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि ॥ हि = कारण कि, जातस्य = पैदा हुएकी, ध्रुवः = जरूर, मृत्युः = मृत्यु होगी, च = और, मृतस्य = मरे हुएका, ध्रुवम् = जरूर, जन्म = जन्म होगा, तस्मात् = अतः, (इस जन्म-मरण रूप परिवर्तनके प्रवाहका) निवारण नहीं हो सकता, अर्थे = (अतः) इस विषयमें, त्वम् = तुम्हें, शोचितुम् = शोक, न = नहीं, अर्हसि = करना चाहिये। व्याख्या- जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च - पूर्वश्लोकके अनुसार अगर शरीरीको नित्य जन्मने और मरनेवाला भी मान लिया जाय, तो भी वह शोकका विषय नहीं हो सकता। कारण कि जिसका जन्म हो गया है, वह जरूर मरेगा और जो मर गया है, वह जरूर जन्मेगा। न त्वं तस्मादपरिहार्येऽर्थे शोचितुमर्हसि - इसलिये कोई भी इस जन्म- मृत्युरूप प्रवाहका परिहार (निवारण) नहीं कर सकता; क्योंकि इसमें किसीका किंचिन्मात्र भी वश नहीं चलता। यह जन्म-मृत्युरूप प्रवाह तो अनादिकालसे चला आ रहा है और अनन्तकालतक चलता रहेगा। इस दृष्टिसे तुम्हारे लिये शोक

करना उचित नहीं है। ये धृतराष्ट्रके पुत्र जन्में हैं, तो जरूर मरेंगे। तुम्हारे पास ऐसा कोई उपाय नहीं है, जिससे तुम उनको बचा सको। जो मर जायँगे, वे जरूर जन्मेंगे। उनको भी तुम रोक नहीं सकते। फिर शोक किस बातका ? शोक उसीका कीजिये, जो अनहोनी होय। अनहोनी होती नहीं, होनी है सो होय ॥ जैसे, इस बातको सब जानते हैं कि सूर्यका उदय हुआ है, तो उसका अस्त होगा ही और अस्त होगा तो उसका उदय होगा ही। इसलिये मनुष्य सूर्यका अस्त होनेपर शोक-चिन्ता नहीं करते। ऐसे ही हे अर्जुन ! अगर तुम ऐसा मानते हो कि शरीरके साथ ये भीष्म, द्रोण आदि सभी मर जायँगे, तो फिर शरीरके साथ जन्म भी जायँगे। अतः इस दृष्टिसे भी शोक नहीं हो सकता। भगवान् राम ने इन दो (छब्बीसवें-सत्ताईसवें) श्लोकोंमें जो बात कही है, वह भगवान् का कोई वास्तविक सिद्धान्त नहीं है। अतः अथ च पद देकर भगवान् ने दूसरे (शरीर-शरीरीको एक माननेवाले) पक्षकी बात कही है कि ऐसा सिद्धान्त तो है नहीं, पर अगर तू ऐसा भी मान ले, तो भी शोक करना उचित नहीं है। इन दो श्लोकोंका तात्पर्य यह हुआ कि संसारकी मात्र चीजें प्रतिक्षण परिवर्तनशील होनेसे पहले रूपको छोड़कर दूसरे रूपको धारण करती रहती हैं। इसमें पहले रूपको छोड़ना-यह मरना हो गया और दूसरे रूपको धारण करना-यह जन्मना हो गया। इस प्रकार जो जन्मता है, उसकी मृत्यु होती है और जिसकी मृत्यु होती है, वह फिर जन्मता है- यह प्रवाह तो हरदम चलता ही रहता है। परिशिष्ट भाव - किसी प्रियजनकी मृत्यु हो जाय, धन नष्ट हो जाय तो मनुष्यको शोक होता है। ऐसे ही भविष्यको लेकर चिन्ता होती है । ये शोक-चिन्ता अपने विवेकको महत्त्व न देनेके कारण ही होते हैं।इसलिए भगवान राम का नाम, राम नाम सत्य है लिया जाता है संसारमें परिवर्तन होना, परिस्थिति बदलना आवश्यक है। अगर परिस्थिति नहीं बदलेगी तो संसार कैसे चलेगा ? मनुष्य बालकसे जवान कैसे बनेगा ? मूर्खसे विद्वान् कैसे बनेगा ? रोगीसे नीरोग कैसे बनेगा ? बीजका वृक्ष कैसे बनेगा ? परिवर्तनके बिना संसार स्थिर चित्रकी तरह बन जायगा ! वास्तवमें मरनेवाला (परिवर्तनशील) ही मरता है, रहनेवाला कभी मरता ही नहीं। यह सबका प्रत्यक्ष अनुभव है कि मृत्यु होनेपर शरीर तो हमारे सामने पड़ा रहता है, पर शरीरका मालिक (जीवात्मा) निकल जाता है। अगर इस अनुभवको महत्त्व दें तो फिर चिन्ता-शोक हो ही नहीं सकते। बालिके मरनेपर भगवान् राम इसी अनुभवकी ओर ताराका लक्ष्य कराते हैं- तारा बिकल देखि रघुराया । दीन्ह ग्यान हरि लीन्ही माया ॥ छिति जल पावक गगन समीरा । पंच रचित अति अधम सरीरा ॥ प्रगट सो तनु तव आगें सोवा । जीव नित्य केहि लगि तुम्ह रोवा ॥ उपजा ग्यान चरन तब लागी। लीन्हेसि परम भगति बर माँगी ॥ (मानस, किष्किन्धा० ११।२-३) विचार करना चाहिये कि जब चौरासी लाख योनियोंमें कोई भी शरीर नहीं रहा, तो फिर यह शरीर कैसे रहेगा ? जब चौरासी लाख शरीर मैं-मेरे नहीं रहे, तो फिर यह शरीर मैं-मेरा कैसे रहेगा ? यह विवेक मनुष्य-शरीरमें हो सकता है, अन्य शरीरोंमें नहीं। सम्बन्ध-पीछेके दो श्लोकोंमें पक्षान्तरकी बात कहकर अब भगवान् आगेके श्लोकमें बिलकुल साधारण दृष्टिकी बात कहते हैं। यहां वहां इसकी उसकी किसी की बात में न भरमाए। राम की साधना से ही सारे साधक संजीवनी से सारे भेद माया ईश्वर की अहेतु की कृपा पाए। सहीः ब्रह्म के सिवा दूसरा कुछ है ही नहीं —और ब्रह्म भगवान राम ही है एकमेवाद्वितीयम् श्रुति-प्रमाण है। : जीव-भाव में फँसने वाला ब्रह्म से भिन्न दूसरा कोई है — यह द्वैत-भ्रम है। फँसता कोई 'दूसरा' नहीं, ब्रह्म ही अविद्या से स्वयं को जीव मान लेता है। समुद्र ही लहर बनकर खुद को छोटा मान ले तो दोष समुद्र का नहीं, लहर की भूल का है — वैसे ही ब्रह्म ही जीव-भाव में फँसता-सा दिखता है, वास्तव में फँसने वाला कोई दूसरा नहीं है।

राम ही ब्रह्म है। जो हर के आत्मा में हैं लेकिन अच्छी शक्ति वाले में उभर आती है और बुरा कर्म करने वाले को रोकता है लेकिन अयम् आत्मा ब्रह्म — ये आत्मा ही ब्रह्म है। मन ब्रह्म नहीं है। मन प्रकृति का हिस्सा है, जड़ है, बदलता रहता है।

मेष राशि : मेष राशि वालों के लिए आज का दिन उत्साहवर्धक रहेगा है। आपके व्यापार में पहले से सुधार आयेगा, जिससे आपको आपका मानसिक सुकून मिलेगा। पारिवारिक जीवन में चल रही अनबन से मुक्ति मिल जाएगी, जिससे पारिवारिक परिवेश अच्छा होगा। नर्सिंग कर रहे छात्रों को उनके करियर में सफलता मिलने के योग बन रहे है। आज आपके कुछ नए दोस्त बनेंगे। आज कार्यक्षेत्र में मेहनत कर रहे लोग सफल होंगे।

वृषभ राशि: वृषभ राशि वालों आज आपका दिन आपके परिवार के लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कॉम्पिटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी एकाग्रता पर और भी ध्यान देने की जरूरत है। जिस व्यक्ति की आपने कभी मदद की थी वह आज आपके काम आएगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन इनोवेटिव रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिल सकता हैं। रिसर्च स्कालर्स के लिए आज का दिन बहुत शुभ है, आज इन्हें डॉक्टरेट की उपाधि मिल जाएगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन की शुरुआत अच्छे मूड से होगी। किसी रुके काम को पूरा करने का आज सही समय है। सिविल इंजीनियर्स के लिए दिन बहुत बेहतरीन रहेगा। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी नौकरी मिलने के योग हैं। वैवाहिक रिश्ते मजबूत होंगे, परिवार के साथ अच्छा टाइम स्पेंड करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन शांत पूर्ण रहेगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन में कुछ अनोखी सीख मिलेगी। आपकी कड़ी मेहनत से लोग आपसे जरुर प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे।

कन्या राशि: कन्या वालों आज आपका दिन नई उम्मीदों के साथ शुरू होने वाला है। आज आपकी सूझ-बूझ से अपने लक्ष्य के करीब बढ़ रहे हैं। पशुओं की सेवा करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक समस्या से परेशान लोगों को राहत मिलेगी। आज आप जीवनसाथी के लिए नई ज्वेलरी खरीद सकते हैं, जीवन में आनंद बढ़ेगा। डॉक्टर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपका मन शांत व संतुष्ट रहेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों के लिए आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है। आज आप कोई नया हुनर सीखने की योजना बनाने वाले हैं। पारिवारिक सदस्य की बहुत महत्वपूर्ण सलाह की मदद से जीवन की कुछ समस्या के हल निकाल पाएंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी काम से बाहर जा सकते हैं, अपना जरूरी सामान रखना न भूलें। आज आपके बिजनेस में प्रॉफिट होने के आसार दिख रहे है। फ्रेंड्स के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। आज काम शुरू करने से पहले अपने बड़ों का आशीर्वाद अवश्य लें, रिश्ते में आ रही परेशानियों से आपको छुटकारा मिलेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। वर्क-फील्ड में आज आपको सहयोगियों से मदद मिलेगी। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता-पिता से मिल सकते हैं। किसी कंपनी में कार्य कर रहे कर्मचारियों की सैलरी में इन्क्रीमेंट होने की सम्भावना है। किसी अच्छे कॉलेज से जॉब का प्रपोजल आ सकता है। किसी काम को पूरा करने के लिए आपको शांत रहने की जरूरत है। परिवार से संबंधित समस्या का असर आपके काम पर न हो, इस बात का ध्यान रखें।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आमोद-प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। आलस छोड़ें और अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाए। निश्चित ही आपको सुखद परिणाम मिलेंगे।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी। आज आपकी किसी रिश्तेदार से फोन पर लम्बी बात हो सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा, बल्लेबाजी कोच बोले- अभी उम्मीद बाकी है

एजेंसी, लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे। उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की। इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए।

माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेऑफ की दौड़ में बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के पास मौका है और खिलाड़ी पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ेंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया के सबसे बेहतरीन टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने कहा कि केवल दो टीमें ही अब तक प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुई हैं, जबकि बाकी सभी टीमों के पास अभी भी उम्मीद कायम है। चेन्नई सुपर किंग्स को अपने आखिरी दो लीग मुकाबलों में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस का सामना करना है।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया, सौरव गांगुली ने सुनाया मुश्किल दिनों का किस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पॉडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस

तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है।

गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर "नहीं" था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे। उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि टीम में ऐसे दिग्गज खिलाड़ी मौजूद थे जिनकी कप्तानी में वह खुद खेल चुके थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के सामने पहली टीम मीटिंग लेने से पहले वह काफी घबराए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी डोना से भी इस चिंता का जिक्र किया था कि वह इतने बड़े खिलाड़ियों को कैसे निर्देश देंगे।

गांगुली ने बताया कि कोच्चि में अपने पहले मैच से पहले उन्होंने टीम मीटिंग को केवल 15 मिनट में खत्म कर दिया ताकि माहौल सहज बना रहे। उनकी कप्तानी का असर जल्द ही मैदान पर दिखने लगा।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

- संजू सैमसन की जगह खतरे में

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी, गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

एजेंसी, नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है। दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्रॉफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अब एक पॉडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कई वर्षों से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है।

सनराइजर्स और टाइटन्स के खिलाफ अंतिम दो लीग मैचों के साथ विदायी लेंगे धोनी ?

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह आईपीएल के इस 19 सत्र में अब तक नहीं उतरे हैं। धोनी फिट नहीं होने के कारण अब तक टीम से बाहर थे पर अब उनके अंतिम लीग मैचों में उतरने की संभवना जतायी जा रही है। अटकलें लगायी जा रही हैं कि धोनी सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच खेलकर लीग से विदायी ले लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी अब पूरी तरह से फिट हैं। इसलिए भी टीम प्रशंसकों की खुशी के लिए उन्हें उतारना चाहती है। इस सत्र में प्रशंसक उनका खेल देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। धोनी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए भी फिट थे पर इसके बाद भी नहीं उतरे थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वापसी से टीम का संतुलन बिगड़े। इसका कारण ये है कि शुरुआती मैचों में कुछ हार के बाद सीएसके ने अच्छी वापसी की थी और प्लेऑफ की दौड़ में खुद को मजबूती से शामिल कर लिया था। धोनी का मानना था कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में टीम के विजेता संयोजन को बदलना ठीक नहीं होगा।

लखनऊ के खिलाफ उस मैच में हालांकि सीएसके को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब धोनी की वापसी की संभावना फिर से बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि वह अपने अनुभव और नेतृत्व के साथ टीम को मजबूती देने के लिए अंतिम दो लीग मैचों में उतरेंगे।

बिजनेस

इस सप्ताह चार कंपनियों के आईपीओ होंगे लॉन्च, दो कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

सोमवार यानी 18 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह चार कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। ये चारों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इस सप्ताह एसएमई सेगमेंट की दो कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं।

सप्ताह के पहले दिन 18 मई को एनएफपी संपूर्ण फूड्स का 24.53 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 20 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 52 रुपये से लेकर 55 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 21 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 25 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 19 मई को टीमटेक फॉर्मवर्क सॉल्यूशंस का 50.15 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 21 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 61 रुपये से लेकर 63 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 26 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 20 मई को हरिकांता ओवरसीज का 25.63 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 22 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 91 रुपये से लेकर 96 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 25 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 27 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन वेगोरामा पंजाबी अंगीठी का 38.38 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 22 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 73 रुपये से लेकर 77 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 25 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 27 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। जहां तक शेयर बाजार में लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 19 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर आरएफबीएल फ्लेक्सी पैक की लिस्टिंग हो सकती है। कंपनी ने 35.33 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च किया था, जो 21.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। 19 मई को ही बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर गोल्डलाइन फार्मास्यूटिकल के शेयर लिस्ट होकर कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं।

नहीं थमा घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का सिलसिला, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का दौर जारी है। देश में चेन्नई को छोड़ कर ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 970 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चेन्नई में सोने के भाव में आज 140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज के कारोबार के दौरान 9,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,930 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,60,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,43,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी आज लगातार तीसरे दिन कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 6,540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती आ गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 6,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी के भाव में भी लगातार तीन दिन की गिरावट के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में उछाल दर्ज की गई। इस उछाल के कारण चांदी सप्ताहिक आधार पर 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,080 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,60,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में उतरेगी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, केंद्र ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) की लिस्टिंग के बाद अब कोल इंडिया लिमिटेड सीआईएल की एक और सब्सिडियरी स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करने वाली है। कोल इंडिया लिमिटेड की सब्सिडियरी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने के प्रस्ताव को निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के तहत महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने आईपीओ में नए शेयर के साथ ही ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए भी कंपनी की प्रमोटर कोल इंडिया लिमिटेड अपनी हिस्सेदारी कम करेगी। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) द्वारा मंजूर किए गए प्रस्ताव के मुताबिक इस आईपीओ के तहत कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए 25 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेची जाएगी। हालांकि कोल इंडिया लिमिटेड एमसीएल के आईपीओ में ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेची जाने वाली अपनी हिस्सेदारी एक या एक से अधिक चरणों में भी बेच सकती है। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) द्वारा आईपीओ लाने के प्रस्ताव को केंद्र सरकार की विनिवेश नीति के तहत निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) और कोयला मंत्रालय ने मिल कर तैयार किया है। इस प्रस्ताव को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के बोर्ड की मंजूरी मिल चुकी है।

दिल्ली सरकार ने विमान ईंधन पर वैट की दर को घटाकर सात फीसदी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने विमान ईंधन (एटीएफ) पर मूल्य वर्धित कर (वैट) 25 फीसदी से घटाकर सात फीसदी कर दिया है। इससे विमानन कंपनियों को बड़ी वित्तीय राहत मिली है। अधिकारियों ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि दिल्ली सरकार के कैबिनेट ने आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली-एनसीआर) में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर वैट दर को 25 फीसदी से घटाकर सात फीसदी कर दिया है। ये रियायती दर प्रारंभिक दर पर छह महीने की अवधि के लिए लागू की जाएगी। विशेषज्ञों ने बताया कि दिल्ली सरकार के इस फैसले से एयरलाइन कंपनियों को बड़ी राहत मिलेगी और आम यात्रियों को भी सस्ती हवाई यात्रा का फायदा मिल सकता है। दरअसल किसी भी एयरलाइन के संचालन की कुल लागत का लगभग 30 से 40 फीसदी हिस्सा सिर्फ ईंधन पर खर्च होता है। दिल्ली में वैट की कटौती से एटीएफ काफी सस्ता हो जाएगा, जिससे घाटे में चल रही एयरलाइंस की वित्तीय स्थिति सुधरेगी।

मई में भी हुई बिकवाली, विदेशी निवेशकों ने अभी तक 27,048 करोड़ के शेयर बेचे

एजेंसी, नई दिल्ली

साल 2026 के दूसरे महीने यानी फरवरी के बाद से घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला मई के महीने में भी लगातार बना हुआ है। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक स्टॉक मार्केट में बिकवाली करके 27,048 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। मई के महीने में अभी तक हुए कारोबार में हुई बिकवाली के आंकड़ों को मिला दिया जाए, तो कैलेंडर ईयर 2026 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में की गई शुद्ध बिकवाली का आंकड़ा 2.20 लाख करोड़ के स्तर के करीब पहुंच गया है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से लेकर इस महीने 15 मई तक एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में कुल 2,40,857 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। जनवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। फरवरी में एफपीआई ने बिकवाली की जगह लिवाली पर जोर दिया। इस महीने इन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया। मार्च के महीने में एक बार फिर स्थिति बदल गई। इस महीने एफपीआई ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिकवाली की। अप्रैल के महीने में भी एफपीआई की ओर से हो रही बिकवाली का सिलसिला जारी रहा। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 60,847 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। मौजूदा महीने में भी 15 मई तक के दस कारोबारी दिन में एफपीआई 27,048 करोड़ रुपये के शेयर बेच चुके हैं।

वेलकम टू द जंगल टीजर रिलीज, सितारों की टोली के साथ अक्षय कुमार ने लगाया कॉमेडी का तड़का

इंतजार खत्म हुआ! जिस कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल की झलक देखने का फैंस को बेसब्री से इंतजार था, उसका ऑफिशियल टीजर लॉन्च हो गया है. यह टीजर बड़े पर्दे पर वह मैडनेस, कन्फ्यूजन और कॉमेडी का तड़का लगाने के लिए आ गया है. पुरानी यादों, जाने-पहचाने चेहरों और अपनी खास कॉमिक से भरा यह टीजर एक जबरदस्त फैमिली एंटरटेनर होने का वादा करता है.

अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर वेलकम टू द जंगल का टीजर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा है, पागलपन का स्वागत है, हंसी-मजाक का स्वागत है, इस अतरंगी उथल-पुथल का स्वागत है, वेलकम यूनिवर्स के सबसे तूफानी चैप्टर का स्वागत है. वेलकम टू द जंगल का टीजर अब आ गया है. तो फिर, 26 जून 2026 से सिनेमाघरों में इस धमाल की शुरुआत होने दीजिए. 1 मिनट 30 सेकंड के टीजर की शुरुआत एक डिसक्लेमर के साथ होती है, जिसमें बताया गया है कि इस फिल्म में किसी जानवर का इस्तेमाल नहीं किया है. इस डिस्क्लेमर में खिलाड़ी कुमार ने अपना कॉमिक भी डाला है. इसके बार इंडिया बॉर्डर का एक सीन दिखाया जाता है, जहां, कुछ शरणार्थी बॉर्डर पार करके आते हैं.

इसके बाद फेक फिल्म की शूटिंग की झलक दिखाई जाती है, जहां परेश रावल एक्शन बोलते हैं. इसके बाद अक्षय कुमार की एंट्री दिखाई गई है. फिर सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, दिशा पटानी, तुषार कपूर झलक दिखाई जाती है. दर्शकों को रियल जंगल से रूबरू कराया जाता है. इस बीच सभी सितारों की एक-एक झलक देखने को मिलती है. टीजर में एक सीन आता है, जहां सुनील शेट्टी अक्षय कुमार पर फायरिंग करते हैं. इस दौरान सुनील शेट्टी ने एक लाइन, अबे तू मरता क्यों नहीं? इस पर अक्षय कुमार कहते हैं, मैं मरने में जान डाल रहा हूं. फिर सुनील कहते हैं, अरे, मरने में कोई जान डालता है क्या?. ये लाइन ऑनलाइन दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. बढ़ा दिया है. यह टीजर उस जबरदस्त धमाल की झलक दिखाता है जो आगे होने वाला है, और फैंस को अक्षय को उनके सबसे पसंदीदा कॉमेडी अंदाज में वापस देखने के लिए बेताब कर देता है. वेलकम सीरीज की शुरुआत वेलकम फिल्म से हुई थी, जिसमें फिरोज़ खान, अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ़, अनिल कपूर, नाना पाटेकर और परेश रावल ने काम किया था. यह फिल्म एक कल्ट कॉमेडी बन गई और आज भी बॉलीवुड की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक है. इसकी दूसरी किस्त, वेलकम बैक, 2015 में रिलीज हुई थी. इस सीक्वल में अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की जगह जॉन अब्राहम और श्रुति हासन ने ली थी. वेलकम और वेलकम बैक दोनों ही फिल्मों का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था. अहमद खान की निर्देशित फिल्म वेलकम टू द जंगल में कलाकारों की एक बड़ी टोली शामिल है, जिसमें अक्षय कुमार, सुनीस शेट्टी के अलावा, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक, राहुल देव, दलेर मेहंदी और मीका सिंह जैसे कई प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे.

4 जून को ओटीटी पर आ रही है 'धुरंधर 2, जियो हॉटस्टार ने कंफर्म कर दी रिलीज डेट

आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर 2 द रिवेंज सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर भी धमाल मचाने के लिए तैयार है. ऑफिशियल ऐलान के बाद अब फिल्म को लेकर हिंदी दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट है. मेकर्स की ओर से कंफर्म कर दिया गया है कि इसे 4 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा. रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 का रॉ और अनदेखा वर्जन जियो हॉटस्टार पर 4 जून को रिलीज की जाएगी. फिल्म को हिंदी समेत पांच भाषाओं में रिलीज किया जाएगा, जिसमें तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा शामिल होगी. इतना ही नहीं, इसे 4 जून को जियो हॉटस्टार पर शाम 7 बजे से देख सकेंगे. फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर मेकर्स की ओर से ऑफिशियली पोस्ट शेयर नहीं की गई है लेकिन इसे जियो हॉटस्टार पर नोटिफाई कर दिया गया है, जिसके बाद फैंस अब इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. गौरतलब है कि फिल्म धुरंधर 2 का रन टाइम भी थिएटर से ज्यादा होने वाला है. थिएटर में इस फिल्म का रन टाइम 3 घंटे 49 मिनट था वहीं, ओटीटी पर फिल्म का रन टाइम बढ़ाकर 3 घंटे 52 मिनट रखा गया है. ये 3 मिनट ज्यादा होने वाला है. बहरहाल, अगर धुरंधर 2 के बॉक्स ऑफिस के बारे में बात की जाए तो फिल्म की रिलीज को पूरे 57 दिन हो चुके हैं और ये अभी भी बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कमाई कर रही है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 57वें दिन 35 लाख की कमाई की और इसका इंडिया नेट कलेक्शन 1144.56 करोड़ हो चुका है. इसके साथ ही फिल्म का ओवरसीज कलेक्शन 426.67 करोड़ हो गया है और इसका 57 दिनों का वर्ल्डवाइड कारोबार 1796.51 करोड़ हो चुका है.

पानी में चमकीं नोरा फतेही, गोल्डन ड्रेस पहन दिखाया ग्लैमरस अंदाज, फोटोज वायरल

एक्ट्रेस नोरा फतेही ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कई दिलकश तस्वीरें शेयर की हैं. इन फोटोज में वो ऑल गोल्डन आउटफिट में नजर आ रही हैं. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है. नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर अपने लेटेस्ट पोस्ट से सबका ध्यान खींच किया है. उनका ये लुक सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है. एक्ट्रेस फोटोज से सोनपरी से कम नहीं लग रही हैं. नोरा सोने से जड़े आउटफिट में नजर आ रही हैं. फैंस नोरा का ये लुक देख फैंस उनसे नजरे नहीं हटा पा रहे हैं. उन्होंने अपने इस लुक को सटल मेकअप और खुले बालों के साथ पूरा किया है. नोरा ने पानी में जमकर कातीलाना पोज दिए हैं. तस्वीरें शेयर करते हुए नोरा ने लिखा, इस लुक के हम दीवाने हो गए हैं. बता दें, नोरा का ये लुक नए म्यूजिक वीडियो बेबी डॉल का है. जिसे हनी सिंह ने बनाया है. वहीं, नोरा फतेही पिछले कुछ दिन पहले कन्नड़ फिल्म केडीः द डेविल के गाने सरके चुनर को लेकर हुए विवाद में फंसी थीं.

3 इडियट्स 2 पर आमिर खान ने शुरू किया काम, सीक्वल में दिखेगा नया ट्विस्ट

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने जब से 3 इडियट्स 2 की पुष्टि की है, तब से फैंस इसके अपडेट के बारे में बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अब खबर आई है कि आमिर खान ने 2009 की फिल्म 3 इडियट्स के सीक्वल पर काम शुरू कर दिया है. बॉलीवुड के मेगास्टार आमिर खान की सुपरहिट फिल्म 3 इडियट्स का सीक्वल आने की खबर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था. आईएएनएस को एक सूत्र ने बताया है कि आमिर खान ने 2009 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के सीक्वल पर आधिकारिक तौर पर काम शुरू कर दिया हैय यह प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन फेज में है, और यह पक्का हो गया है कि ओरिजिनल तिकड़ी यानी आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल में अपनी पुरानी भूमिकाएं दोहराते हुए नजर आएंगे. सूत्र ने आगे बताया कि सीक्वल में एक बड़ा टाइम लीप देखने को मिलेगा, जिसका मतलब है कि किरदार अब जिंदगी के उसी पड़ाव पर नहीं होंगे, जिस पर वे 2009 की फिल्म में थे. दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट से जुड़ा सबसे बड़ा ट्विस्ट इसकी टाइमलाइन है. जहां एक तरफ टाइम लीप की बात पक्की हो गई है, वहीं यह अभी भी साफ नहीं है कि कहानी ओरिजिनल फिल्म की घटनाओं से पहले की होगी या बाद की. अंदरूनी सूत्र का कहना है कि फिलहाल सिर्फ आमिर को ही कहानी की सही दिशा के बारे में पता है. ओरिजिनल ब्लॉकबस्टर फिल्म का निर्देशन करने वाले राजकुमार हिरानी भी सीक्वल का निर्देशन करने के लिए वापस आ रहे हैं. राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित 3 इडियट्स में आर. माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर खान, बोमन ईरानी और मोना सिंह ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं. यह फिल्म दुनिया भर में एक बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इसने वैश्विक स्तर पर 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की.

गुस्से को नियंत्रित करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, मिलेगी राहत

गुस्सा एक सामान्य मानवीय भावना है, लेकिन इसे नियंत्रित करना जरूरी है। अक्सर हम बिना सोचे-समझे अपने गुस्से का सामना करते हैं, जिससे हमारे रिश्ते खराब हो सकते हैं और हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने गुस्से को नियंत्रित कर सकते हैं और एक शांत और संतुलित जीवन जी सकते हैं। जब भी आपको गुस्सा आए तो सबसे पहले गहरी सांस लें। यह तरीका आपके दिमाग को शांत करने में मदद करता है और आपके विचारों को साफ करता है। गहरी सांस लेने से आपके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे आपका मन शांत होता है और आप स्थिति को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। इसके अलावा गहरी सांस लेने से आपका तनाव भी कम होता है और आप अधिक शांत महसूस करते हैं। गुस्सा आने पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। पहले खुद को थोड़ा समय दें ताकि आप स्थिति को सही तरीके से समझ सकें। उदाहरण के लिए अगर आप किसी बात पर गुस्सा हो रहे हैं तो थोड़ी देर के लिए वहां से हट जाएं या किसी अन्य काम में लग जाएं। इससे आपका मन शांत होगा और आप बेहतर निर्णय ले सकेंगे। इस तरह आप बिना किसी जल्दबाजी के स्थिति को संभाल सकते हैं। गुस्सा आने पर नकारात्मक विचार आते हैं, जो आपकी स्थिति को और खराब कर सकते हैं। कोशिश करें कि आप सकारात्मक सोचें और उन चीजों पर ध्यान दें, जो आपको खुश करती हैं या जिनसे आपको प्रेरणा मिलती है। उदाहरण के लिए अगर आपका कोई साथी आपके साथ गलत व्यवहार कर रहा है तो उसके बजाय उन लोगों की सराहना करें, जो आपके साथ अच्छा व्यवहार करते हैं या अपनी पसंदीदा गतिविधियों में व्यस्त रहें। शारीरिक गतिविधियां जैसे कि दौड़ना, साइकिल चलाना या योग करना आपके शरीर में एक खास प्रकार का हार्मोन रिलीज करते हैं, जो आपके मूड को बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा नियमित व्यायाम करने से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। इससे आपका तनाव भी कम होता है और आप अपने गुस्से को बेहतर तरीके से संभाल पाते हैं।

शारीरिक गतिविधियों से आपका मन शांत रहता है और आप सकारात्मक महसूस करते हैं। अगर किसी वजह से आपका गुस्सा बढ़ रहा है तो बेहतर होगा कि आप उस व्यक्ति से खुलकर बात करें, जिससे आपको समस्या है। अपनी भावनाओं को साफ-साफ शब्दों में व्यक्त करें ताकि गलतफहमियां दूर हों और स्थिति बेहतर हो सके। इससे न केवल आपका गुस्सा कम होगा बल्कि आपके रिश्ते भी मजबूत होंगे। इस तरह आप बिना किसी विवाद के अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और अपने मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकते हैं।

'Unparalleled momentum to India-Netherlands friendship'

PM Modi after bilateral talks with Dutch PM Rob Jetten

New Delhi, Agency: Prime minister Narendra Modi on Sunday hailed the recent outcomes of his visit to the Netherlands, saying they reflected the expanding scope of bilateral ties across sectors of long-term strategic and economic importance.

In a post on X, PM Modi said the wide-ranging outcomes would impart fresh momentum to India-Netherlands relations and contribute to the growth and prosperity of both nations. ndia and the Netherlands finalised 17 wide-ranging outcomes during the visit of PM Modi, covering key areas of bilateral cooperation.

Addressing reporters after the delegation-level talks, MEA Secretary (West) Sibi George said both sides acknowledged the growing convergence in bilateral relations and agreed to formally upgrade the partnership. "The two leaders acknowledged increasing convergence and formally elevated the bilateral relationship to a strategic partnership, which is very significant.

MGCU faculty selection faces scrutiny over experience certificate

Sagar Suraj

Questions over Nepal-based experience claim cast shadow on Assistant Professor appointment process at Mahatma Gandhi Central University

A file photo of a function in which Dr Sneha Chaurasia and VC Sanjay Kumar seen

MOTIHARI: Fresh controversy has surfaced around the ongoing faculty recruitment process at Mahatma Gandhi Central University (MGCU), with allegations relating to the authenticity of an experience certificate submitted by Dr. Sneha Chaurasia for the post of Assistant Professor drawing attention within academic circles. Documents accessed by Border News Mirror (BNM) indicate that Dr. Chaurasia had submitted an experience certificate purportedly issued by a Nepal-based management college, claiming nearly seven years of teaching experience. However, an independent verification conducted by the newspaper has reportedly raised questions regarding both the duration of service and the salary details mentioned in the document. Sources associated with the Nepal institution, requesting anonymity, claimed that Dr. Chaurasia had worked there only for around six months. They further alleged that the salary figures reflected in the certificate appeared inconsistent with the institution's pay structure, maintaining that even senior faculty members were not paid salaries of such scale in Indian currency. The controversy intensified after another set of employment-related documents surfaced during the investigation. The records allegedly show that Dr. Chaurasia was associated with a school in Motihari during the same period for which the Nepal-based experience was claimed. The overlapping timelines have prompted demands for an official verification of the credentials submitted in the recruitment process. The latest allegations have also revived discussion over earlier controversies linked to Dr. Chaurasia's tenure as Guest Faculty at MGCU. University sources and former students alleged that complaints regarding her classroom conduct had earlier been submitted before the administration. Audio clips purportedly related to those allegations had circulated locally at the time, though the university did not publicly disclose the outcome of any internal inquiry. Sources familiar with the matter claimed that more than 40 students had earlier raised concerns regarding her conduct, following which her engagement as Guest Faculty was reportedly discontinued. Neither Dr. Chaurasia nor university authorities have issued an official response to the allegations so far.

The controversy is expected to intensify as concerns over transparency and verification in academic appointments continue to attract wider attention.

Was misquoted, I'm proud of our youth, says CJI Surya Kant

New Delhi, Agency: Chief Justice Surya Kant Saturday said he 'was pained' by a section of media misquoting his comments on youth during courtroom proceedings on Friday and clarified that his angst was against those joining the legal profession with bogus degrees and behaving like parasites.

In a statement, CJI Kant said, "What I had specifically criticised were those who have entered professions like the Bar with the aid of fake and bogus degrees. Such persons have sneaked into media, social media, and other noble professions" and are attempting to weaken every system like parasites. The CJI-led bench was critical of an advocate who was seeking a judicial direction to the Delhi HC to designate him as senior advocate and had observed that it was looking for an appropriate case to order CBI inquiry into the genuineness of degrees of many masquerading as advocates in Delhi.

Pre-arrest bail for Vadra in Haryana land deal-linked laundering probe

New Delhi, Agency: A Delhi court granted Saturday pre-arrest bail to businessman Robert Vadra in a money laundering case tied to a land deal in Haryana, ruling that his "detention in judicial custody is neither necessary nor warranted" after ED chose not to arrest him during its investigation. Special judge Sushant Changotra of Rouse Avenue Courts also granted relief to co-accused Kewal Singh Virk on a surety bond of Rs 50,000 each. The case relates to a 3.5-acre parcel in Shikohpur village in Gurgaon. According to ED, a company linked to Vadra bought the land from Omkareshwar Properties in Feb 2008 for Rs 7.5 crore and later sold it to DLF for Rs 58 crore.

'Illegally constituted': MEA rejects Pakistan-backed Court of Arbitration ruling on Indus Waters Treaty

New Delhi, Agency: India on Saturday once again rejected the constitution of the Court of Arbitration under the Indus Waters Treaty, declaring the decision as 'null and void.'

External affairs ministry spokesperson Randhir Jaiswal said that India had never recognised the establishment of the court and would not accept any proceedings, awards or decisions issued by it. "The illegally constituted so-called Court of Arbitration (CoA) has, on 15 May 2026, issued what it termed an award concerning maximum pondage supplemental to the award on issues of general interpretation of the Indus Waters Treaty," Jaiswal said in response to media queries.

"India categorically rejects the present so-called award, just as it has firmly rejected all prior pronouncements of the illegally constituted CoA," he added.

Jaiswal further asserted that any proceedings conducted by the tribunal held no legal validity from India's perspective.

"India has never recognised the establishment of this so-called CoA. Any proceeding, award, or decision issued by it is null and void," he said.

He also reiterated that India's decision to hold the Indus Waters Treaty in abeyance remained unchanged. "India's decision to hold the Indus Waters Treaty in abeyance remains in force," the MEA spokesperson said.

J&K: Elderly dead, 7 in hospital after consuming wild vegetable in Rajouri

JAMMU, Agency: A 60-year-old man died and seven others, including two children, were hospitalised on Friday after they allegedly consumed a wild vegetable in J&K's Rajouri district. All the affected people belonged to two families.

Officials said on Saturday, the incident was reported from Mohra village in Kotranka sub-division, about 40km from Rajouri town. Mohammad Hussain died during treatment. Those who fell sick included Mohammad Imran, 8, and Ratish Ali, 6. They were admitted to community health centre, Kandi, and later shifted to govt medical college and hospital in Rajouri. "Prima facie it is a case of food poisoning," officials said, adding that its exact cause is being investigated.

Fire breaks out in AC coach of Rajdhani Express in MP's Ratlam

New Delhi, Agency: A fire broke out in one of the coaches of the Thiruvananthapuram-Hazrat Nizamuddin Rajdhani Express in Ratlam district of Madhya Pradesh on Sunday morning. All passengers were safely evacuated from the affected coach, railway officials said.

According to officials, the fire was reported near the SLR end of the B-1 coach at around 5.15 am, between Luni Richha and Vikramgarh Alot stations in the West Central Railway section, while the train was in the Down direction. Railway authorities immediately initiated emergency response measures.

All passengers travelling in the affected coach were safely de-boarded and no injuries or casualties were reported, officials said. The overhead electric supply was immediately switched off as a precautionary measure, while the affected B-1 coach was detached from the rake. Railway personnel and senior officials rushed to the spot and carried out firefighting operations. Passengers from the affected coach were provided refreshments at the site. Railway authorities also announced that an additional coach would be attached to the train at Kota station to facilitate the onward journey of passengers. Senior officials from Kota division have left for the incident site to supervise restoration and safety operations.

Nietzsche said free will is a lie but in 2026 it is a vibe

What does it mean to have free will in 2026?

New Delhi, Agency: Why are young people across the world filming themselves eating lunch on ladders, rearranging their homes into fake hotel suites, or doing completely irrational everyday activities simply because they can?

And how did a 19th-century philosopher who believed human beings were never truly free become strangely relevant to a generation raised by algorithms, lockdowns, surveillance and social media?

Across social media, thousands of young users are posting videos under captions such as "POV: You suddenly realise you have free will". The intent is to carry out the daily mundane activities in deliberately impractical but harmless ways

Videos of people climbing the maintenance ladder while having lunch just to finish the meal in the air or other laying out buffets of the same meal just to recreate a wedding vibe have become a well-participated trend. What looks like unserious internet humour has almost become an emotional reaction to a world that feels increasingly controlled by economics, technology, politics and invisible systems.

In a time when algorithms predict behaviour, governments shape consumption habits during crises and social media constantly influences thought patterns, free will is no longer viewed as a stable philosophical truth. For the new generation, it has become a feeling, a performance and, in many ways, a vibe.

Long before social media transformed rebellion into short-form content, German philosopher Friedrich Nietzsche had already questioned whether free will existed at all.

In his 1886 work Beyond Good and Evil, Nietzsche argued that human beings do not make choices in the pure, independent way they imagine.